संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 256
पृष्ठ 8
शनिवार
06 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- घर पर झटपट बनाएं मूंगफली...

विचार- कौड़ियों में उलझा भाषायी चरित्र

खेल- सीनियर खिलाड़ियों से की थी...

पीएम गुजरात दौरे पर विपक्ष पर बरसे, कहा-

इन्होंने देश को दूसरों पर निर्भर रखा

हजीरा (गुजरात),एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुजरात दौरे पर आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत चल रही विकास परियोजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने सूरत के हजीरा के अलावा अंतरराज्यीय रोड नेटवर्क का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ लोग देश में निराशा का माहौल बनाने में लगे हैं। पीएम मोदी ने विपक्षी राजनीतिक दलों को आड़े हाथों लिया और बिना किसी का नाम लिए कहा कि ये लोग निराशा का माहौल बनाने के अलावा आत्मनिर्भर भारत अभियान का मजाक भी बनाते हैं। उन्होंने कांग्रेस या राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा, कुछ लोग भारत को नीचा दिखाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली सफलता का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विदेश यात्रा के दौरान भी उन्हें बंगाल के जनादेश का जिक्र सुनने को मिला। हाल ही में कर्नाटक में बदले मुख्यमंत्री का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस राज्य में भी कांग्रेस को लेकर जनता में भारी आक्रोश है। पीएम मोदी ने भाजपा को मिलने वाली राजनीतिक सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि देश अराजकता, अनिश्चितता और निराशा को पसंद नहीं करता। कांग्रेस पिछले 12 वर्षों से अराजकता और अनिश्चितता फैला कर अपने लिए अवसर तलाश रही है, लेकिन देश की जनता बार-बार करारा जवाब दे रही है। आप लोगों ने तो कांग्रेस को हाशिए पर धकेल दिया है। जहां कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां की जनता कांग्रेस के कुशासन से तंग आ चुकी है। हिमाचल में हुए निकाय चुनाव का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, वहां की जनता ने भी कांग्रेस के कुशासन को नकार दिया।

सीएम योगी ने अपने आवास पर लगाया 'एक पेड़ मां के नाम', कहा

पर्यावरण बचेगा तो प्रकृति बचेगी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत आम का पौधा लगाकर सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण बचेगा तो प्रकृति बचेगी, प्रकृति बचेगी तो जीव सृष्टि भी बचेगी, इसलिए हर नागरिक मातृभूमि के प्रति ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से प्रदेश सरकार ने पर्यावरण व प्रकृति के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए 9 वर्ष में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। 2017 में शासन संभालते ही डबल इंजन सरकार ने वन महोत्सव के अवसर पर 5 करोड़ पौधरोपण कार्यक्रम को अपने हाथों में लिया था। उस समय हमारे सामने तमाम चुनौतियां थीं। न नर्सरी थी और न ही इतने बड़े कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए अनुभव था, लेकिन वन एवं अन्य विभागों ने इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया। सीएम योगी ने कहा कि 9 वर्ष के अंदर प्रदेश में 242 करोड़ से अधिक पौधरोपण किया गया, जिससे प्रदेश का फॉरेस्ट कवर भी बढ़ा। पीएम मोदी ने प्रकृति व मातृभूमि के प्रति दायित्वों का निर्वहन करते हुए कृतज्ञता स्वरूप तीन वर्ष पहले 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ किया था। इस अभियान के क्रम में आज पौधरोपण महाभियान प्रारंभ होने जा रहा है। उन्होंने प्रभु श्रीराम के उद्घोष 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' का भी जिक्र करते हुए कहा कि जननी व जन्मभूमि के प्रति कृतज्ञता हर नागरिक का दायित्व है। पर्यावरण की रक्षा मातृभूमि के प्रति सर्वोच्च दायित्वों में एक है। प्रदेश सरकार पर्यावरण की रक्षा के लिए एक ओर वृहद पौधरोपण कार्यक्रम चला रही है, तो दूसरी ओर ग्लोबल वार्मिंग, क्लाइमेट चेंज, मौसम चक्र में परिवर्तन जैसी पर्यावरण की चुनौतियों से निपटने के लिए भी अनेक कदम उठाए गए हैं। सरकार का प्रयास है कि गांव, शहर, जनपद व प्रदेश प्लास्टिक मुक्त हो। सिंगल यूज प्लास्टिक को हतोत्साहित कर उसके स्थान पर वैकल्पिक रूप से मिट्टी के बर्तनों को प्रोत्साहित किया गया। राज्य सरकार ने इसके लिए माटी कला बोर्ड की स्थापना पर जोर दिया। अप्रैल से जून तक हर गांव व शहर के तालाबों से प्रजापति व कुम्हार समाज के लोगों को निशुल्क मिट्टी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई। उन्हें मैन्युअल के साथ ही सोलर व इलेक्ट्रिक चाक उपलब्ध कराया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण के लिए भी प्रदेश में अनेक कदम उठाए गए और अनेक मॉडल प्रस्तुत किए गए। विकास प्राधिकरण ने निश्चित क्षेत्रफल से बड़े एरिया में बनने वाले आवासीय भवनों तथा कमर्शियल परिसरों के लिए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य किया है। मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत सभी लोगों से पौधे लगाने और उनका संरक्षण किए जाने की अपील की।

होटल-कैसीनो के लिए कट रहे पेड़-राहुल गांधी

नयी दिल्ली,एजेंसी। विश्व पर्यावरण दिवस पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अंडमान और निकोबार द्वीप के दौरे की एक डॉक्यूमेंट्री रिलीज करके, मोदी सरकार के ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर एक बार फिर बड़ा हमला बोला है। राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि मोदी सरकार के ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट का रक्षा रणनीति से कोई लेना-देना नहीं है, बल्कि ये इकोलॉजी को बिगाड़ने वाला जरूर है। राहुल गांधी ने कहा कि, मैं पर्यावरण के अनुकूल संतुलित विकास का पक्षधर हूं। लेकिन यहां का घना जंगल उजाड़ा जाएगा। 1.5 करोड़ पेड़ काटे जा रहे हैं। मूंगा चट्टानों का नामोनिशान मिटाया जा रहा है। सैनिक और आदिवासी विस्थापित होंगे। इसलिए क्योंकि एक बिजनेसमैन, देश की सबसे महत्वपूर्ण और इकोलॉजिकल भूमि पर होटल और कसीनों बनाना चाहता है। 16 मिनट की डॉक्यमेंट्री में राहुल गांधी ने अंडमान और निकोबार द्वीप की अहमियत पर जोर देते हुए ये समझाने का प्रयास किया हैकि वह देश की पारिस्थितकी तंत्र के लिए क्यों बेहद जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि यहां वन अधिकार अधिनियम का खुला उल्लंघन हो रहा है। राहुल गांधी का तर्क है कि ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट कोई रक्षा रणनीति नहीं है। आईएनएस बाज का विस्तार कीजिए-हम सरकार को समर्थन करेंगे। नौसेना पांच साल से विस्तार की मांग उठा रही है, लेकिन उसे नजरंदाज किया गया। न तो ट्रांशिपमेंट पोर्ट के लिए है, क्योंकि केरल में पहले ही मेनलैंड पर पोर्ट बन रहा है। राहुल गांधी के मुताबिक, इस परियोजना में लगभग 1.5 करोड़ पेड़ काटे जाएंगे। कोरल रीफ (मूंगा चट्टानें) नक्शे से मिटा दी जाएंगी। राहुल गांधी ने कहा कि देश का हर युवा इस बात को बखूबी समझता है कि चंद पैसों के मुनाफे के लिए हमारी अनमोल प्रकृति को नष्ट नहीं किया जा सकता है। अंडमान और निकोबार द्वीप के लिए केंद्र सरकार ने ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट बनाया है। लागत 72,000 करोड़ से 92,000 करोड़ के बीच है। इसका उद्देश्य ये है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की समुद्री रक्षा रणनीति मजबूत की जा सके। ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट वर्ष 2025 से 2035 तक, तीन चरणों में पूरा किया जाना है। यह परियोजना 166.10 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली है। इसमें 130.75 वर्ग किलोमीटर वन भूमि यानी वन क्षेत्र है और 35.35 वर्ग किलोमीटर राजस्व भूमि। यहां चरणबद्ध तरीके से बुनियादी ढांचा तैयार किया जाएगा।

देश की आर्थिक स्थिति मजबूत, पूंजी प्रवाह बढ़ाने के लिए उठाए गए कदम : आरबीआई गवर्नर

नयी दिल्ली,एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि देश की आर्थिक स्थिति मजबूत है और नीतिगत उपायों से पूंजी प्रवाह बढ़ेगा। मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा के बाद कहा कि चार प्रतिशत मुद्रास्फीति का लक्ष्य स्थगित नहीं किया गया है। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान को 0.50 प्रतिशत बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत करने के बावजूद, मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर, हमारी आर्थिक स्थिति अच्छी है और हमें विश्वास है कि हम इसे भविष्य में और अधिक मजबूत होने के अवसर में बदल सकते हैं। मल्होत्रा घ्घ्ने कहा कि आरबीआई और सरकार द्वारा घोषित उपायों के माध्यम से पूंजी प्रवाह के लिए कोई विशेष लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है। इन उपायों से पूंजी प्रवाह में वृद्धि होनी चाहिए। सरकार ने रुपये पर दबाव को कम करने और विदेशी पूंजी आकर्षित करने के उद्देश्य से सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी निवेशकों को ब्याज आय और पूंजीगत लाभ पर आयकर से छूट दी है।

भारत के भू-राजनीतिक विस्तार से परेशान हैं राहुल गांधी, कांग्रेस नेता पर भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली,एजेंसी। ग्रेट निकोबार विकास परियोजना की आलोचना करने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार किया। भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी भारत के बढ़ते भू-राजनीतिक प्रभाव से परेशान हैं। वह भारत के बजाय अन्य देशों को अधिक ताकतवर देखना चाहते हैं। सत्तारूढ़ पार्टी की ओर से यह टिप्पणी शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर राहुल गांधी के बयान के बाद आई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 16 मिनट से अधिक का एक वीडियो बयान पोस्ट किया। इसमें उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार के तर्क को झूठ बताया। उन्होंने कहा कि ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना रक्षा और पारगमन बंदरगाह के बारे में नहीं है, बल्कि यह एक कारोबारी को लाभ पहुंचाने के लिए है, ताकि वह भारत की सबसे अहम पारिस्थितिक भूमि पर होटल और कसीनो बना सके। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने कहा कि ग्रेट निकोबार परियोजना की परिकल्पना 1970 के दशक की गई है। उन्होंने कांग्रेस पर दशकों पहले ऐसी भविष्योन्मुखी परियोजनाओं की कल्पना करने के बावजूद उन्हें लागू करने में विफल रहने का आरोप लगाया। सिन्हा ने कहा, अगर कांग्रेस केवल ऐसी परियोजनाओं की कल्पना कर सकती थी, लेकिन उन्हें लागू करने में असमर्थ थी, तो यह निश्चित रूप से हमारी गलती नहीं है। सिन्हा ने कहा कि इस परियोजना के बनने से भारत की मौजूदगी हिंद महासागर में और दक्षिण की ओर करीब 400 किलोमीटर तक बढ़ जाएगी। ग्रेट निकोबार द्वीप के दक्षिणी हिस्से में बनने वाला बंदरगाह मलक्का जलडमरूमध्य के बहुत करीब होगा, जो दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। दुनिया का लगभग 30: समुद्री व्यापार इसी मार्ग से होकर गुजरता है। इसलिए अगर भारत का एक बड़ा बंदरगाह इसके पास होगा, तो वहां से गुजरने वाले जहाजों को सेवाएं देने, माल उतारने-चढ़ाने और व्यापार बढ़ाने में काफी फायदा होगा। सिन्हा ने ग्रेट निकोबार द्वीप के भू-रणनीतिक महत्व पर भी जोर दिया।

राहुल गांधी ने चिंता जताई थी कि इस परियोजना से वहां रहने वाले आदिवासी (स्वदेशी) समुदायों और द्वीप के नाजुक पारिस्थितिकीतंत्र को नुकसान पहुंच सकता है। इस पर सिन्हा ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि अभी ग्रेट निकोबार द्वीप की केवल लगभग 10: जमीन का ही इस्तेमाल हो रहा है। आने वाले 20 वर्षों में यहां चरणबद्ध तरीके से करीब 3.5 लाख से 4 लाख लोगों को बसाने की योजना है। उन्होंने यह भी कहा कि इस विकास कार्य के दौरान पर्यावरण और प्राकृतिक संतुलन से जुड़ी चिंताओं का ध्यान रखा जाएगा। सिन्हा ने जोर देकर कहा कि भारत केवल इसलिए भविष्य की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को नहीं छोड़ सकता, क्योंकि उनमें आदिवासी क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा, यदि ऐसे तर्क को सार्वभौमिक रूप से लागू किया जाता है, तो आदिवासी क्षेत्रों से गुजरने वाली कई प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाएं बंद करनी होंगी। भाजपा नेता ने परियोजना को राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की ओर से दी गई मंजूरी का भी हवाला दिया। सिन्हा ने कहा, यदि एनजीटी ने परियोजना को मंजूरी दी है, तो यह स्पष्ट है कि सभी चिंताओं की सावधानीपूर्वक जांच की गई है। सिन्हा ने कांग्रेस पर ऐतिहासिक रूप से भारत के रणनीतिक हितों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी दल पर्यावरणीय चिंताओं की तुलना में भारत के भू-राजनीतिक विस्तार से अधिक परेशान है। सिन्हा ने कहा कि कुछ लोग या तो इस परियोजना की अहमियत को समझ नहीं रहे हैं या फिर वे भारत की तुलना में अन्य देशों को अधिक ताकतवर के रूप में उभरते हुए देखना चाहते हैं।

मानवता और न्याय के सामने एआई सबसे बड़ी कानूनी चुनौती

सीजेआई बोले- इस दशक के फैसले तय करेंगे भविष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने एआई को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि एआई अब केवल एक कल्पनात्मक तकनीक नहीं, बल्कि एक वास्तविकता बन चुकी है और यह अंतरराष्ट्रीय कानून के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस दशक में लिए जाने वाले निर्णय तकनीक, शक्ति, स्वतंत्रता और न्याय के बीच भविष्य के संबंधों को निर्धारित करेंगे। ब्रिटेन के बर्कबेक, लंदन विश्वविद्यालय में ष्आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड इंटरनेशनल लॉष विषय पर आयोजित सार्वजनिक व्याख्यान में सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि तकनीक

न तो स्वभाव से अच्छी होती है और न ही बुरी। इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि समाज उसे किस कानूनी, राजनीतिक और नैतिक ढांचे के भीतर उपयोग करता है। कानून की जिम्मेदारी तकनीकी प्रगति का विरोध करना या उसके सामने बिना सवाल झुक जाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि तकनीकी शक्ति संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक वैधता और मानवीय गरिमा के प्रति जवाबदेह बनी रहे। उन्होंने कहा कि एआई शासन, व्यापार, युद्ध, संचार, सार्वजनिक प्रशासन और यहां तक कि न्यायिक एवं संप्रभु शक्तियों के इस्तेमाल को भी तेजी से प्रभावित कर रहा है। सरकारें अब कल्याणकारी योजनाओं के आवंटन, आव्रजन आवेदनों के मूल्यांकन, सीमा निगरानी, वित्तीय नियमन और पुलिसिंग जैसे कार्यों में एल्गोरिदमिक प्रणालियों का उपयोग कर रही हैं। वहीं सेनाएं स्वायत्त सैन्य क्षमताओं का विकास कर रही हैं और अदालतें एआई से जुड़े साक्ष्यों, स्वचालित निर्णयों तथा डिजिटल न्यायिक प्रक्रिया जैसे सवालों से जूझ रही हैं।सीजेआई ने कहा कि एआई न्यायिक व्यवस्था के लिए एक अवसर भी है।

मंत्री रहें तो जांच कैसे निष्पक्ष होगी-जयराम रमेश

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली से जुड़ी कथित अनियमितता को लेकर कहा कि स्वतंत्र जांच के लिए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा जरूरी है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि अगर प्रधान का इस्तीफा नहीं होता है तो मोदी सरकार द्वारा गठित एक सदस्यीय जांच समिति दिखावा बनकर रह जाएगी। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, सीबीएसई की संचालन इकाई ने दिसंबर 2024 की अपनी बैठक में यह चिंता जताई थी कि ओएसएम को लागू करने के वित्तीय प्रभाव मौजूदा व्यवस्था की तुलना में काफी अधिक होंगे। अब एक नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि सीबीएसई के ओएसएम प्रणाली की निविदा का अनुमानित अनुबंध मूल्य, समान मात्रा के काम के बावजूद, 10 करोड़ रुपए बढ़ गया। उन्होंने दावा किया कि सीबीएसई द्वारा जारी पहली दो निविदाओं में यह राशि 28 करोड़ रुपए थी, लेकिन कोएम्प्ट (कांट्रैक्टर) को जारी अंतिम वर्क ऑर्डर में यह बढ़कर 38.46 करोड़ रुपए हो गई। और भी चिंताजनक बात यह है कि वास्तव में स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या और वास्तविक कीमत के आधार पर काम का मूल्य केवल 25.39 करोड़ रुपए बैठता है। यानी यह वर्क ऑर्डर में बताई गई राशि का लगभग 66 प्रतिशत ही है।

इंडिया गठबंधन का अस्तित्व सिर्फ कागजों पर, डीएमके के गठबंधन बैठक में शामिल न होने पर बोली भाजपा

नई दिल्ली,एजेंसी। डीएमके ने 8 जून को नई दिल्ली में होने वाली गठबंधन की बैठक में भाग नहीं लेने की घोषणा की। इसके पर भाजपा ने इंडिया ब्लॉक को मृत और दफन हो चुका बताया है। भाजपा ने आगे कहा यह शायद कागजों और टीवी स्क्रीन पर मौजूद हो, लेकिन वास्तविकता में नहीं। दरअसल, डीएमके ने गुरुवार को घोषणा की कि वह बैठक से दूर रहेगी क्योंकि इसमें कांग्रेस भाग लेगी। यह निर्णय राष्ट्रीय पार्टी द्वारा तमिलनाडु विधानसभा चुनाव जीतने वाली टीवीके के साथ गठबंधन करने के बाद से कांग्रेस के खिलाफ डीएमके के रुख की निरंतरता है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के परिणामों का हवाला देते हुए कहा, इंडिया गठबंधन अब टुकड़ों में बिखर गया है। यह भविष्यवाणी की गई थी कि 4 मई को इंडिया गठबंधन नाम की कोई चीज नहीं बचेगी। वह भविष्यवाणी सच साबित हुई है। उन्होंने कहा, इंडिया गठबंधन खत्म हो चुका है और दफन हो चुका है। यह कागजों पर और टेलीविजन स्क्रीन पर मौजूद हो सकता है, लेकिन वास्तविकता में इसका कोई अस्तित्व नहीं है। भाजपा के प्रवक्ता ने एक वीडियो बयान में कहा, डीएमके ने आगामी दिनों में होने वाली इंडिया अलायंस की बैठक में कांग्रेस के साथ शामिल होने से साफ इनकार कर दिया है। उसने कहा है कि कांग्रेस ने उसे धोखा दिया है।

विपक्षी दलों की साझेदारी पर सवाल उठाते हुए पूनावाला ने दावा किया कि कई राज्यों में उनकी पार्टियां एक-दूसरे की प्रतिद्वंद्वी हैं। उन्होंने पूछा, इंडिया गठबंधन वास्तव में कहां मौजूद है? क्या यह पश्चिम बंगाल, पंजाब, कर्नाटक, दिल्ली, उत्तराखंड या मध्य प्रदेश में एकजुट था? पूनावाला ने आरोप लगाया कि यह गठबंधन किसी साझा उद्देश्य के बजाय राजनीतिक अवसरवादिता से प्रेरित है। उन्होंने कहा, यह गठबंधन अवसरवादिता का एक आदर्श उदाहरण था। इसमें कोई मिशन नहीं था, केवल भ्रम, विभाजन और पदों के लिए महत्वाकांक्षा थी।

धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात का केस एक साथ नहीं चल सकता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि आपराधिक विश्वासघात और धोखाधड़ी का केस एक साथ नहीं चल सकता। आईपीसी की धारा–406 (आपराधिक विश्वासघात), धारा–420 (धोखाधड़ी) के तहत दर्ज अपराध परस्पर भिन्न और स्वतंत्र हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि आपराधिक विश्वासघात और धोखाधड़ी का केस एक साथ नहीं चल सकता। आईपीसी की धारा–406 (आपराधिक विश्वासघात), धारा–420 (धोखाधड़ी) के तहत दर्ज अपराध परस्पर भिन्न और स्वतंत्र हैं। इसलिए उन्हें एक ही मामले में समानांतर रूप से लागू नहीं किया जा सकता।

यह आदेश न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की एकल पीठ ने सुदेश चंद्र गुप्ता की याचिका पर दिया है। झांसी के प्रेम थाने में याची के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के आरोप में एफआईआर 2022 में दर्ज कराई गई थी। ट्रायल कोर्ट ने 10 जनवरी 2025 के आदेश से याची के खिलाफ संज्ञान/समन आदेश जारी किया था। इसके खिलाफ याची ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की और मुकदमे की पूरी कार्यवाही रद्द करने की गुहार लगाई। याची के अधिवक्ता ने सुप्रीम कोर्ट के दिल्ली रेस क्लब लिमिटेड और अन्य बनाम उत्तर प्रदेश मामले का हवाला देते हुए दलील दी कि धारा–420 और धारा–406 एक साथ लागू नहीं हो सकती। दोनों अपराधों की प्रकृति एक–दूसरे से बिल्कुल अलग है। धोखाधड़ी के लिए कपटपूर्ण इरादा शुरू से होना चाहिए। जबकि आपराधिक विश्वासघात तब होता है, जब किसी संपत्ति को वैध रूप से सौंपी जाती है। बाद में वह व्यक्ति बेईमानी से उसका दुरुपयोग करता है। वहीं, अपर शासकीय अधिवक्ता ने राहत देने का विरोध किया। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का अवलोकन करने के बाद स्पष्ट किया कि धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के केस एक साथ नहीं चल सकते हैं। साथ ही संज्ञान और समन आदेश को रद्द कर दिया। मामले को ट्रायल कोर्ट को वापस भेज दिया। कहा,आवश्यक हो तो सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आलोक में नया आदेश पारित कर सकते हैं।

अब एसएससी की भर्ती परीक्षाओं में फेस रिकॉग्निशन से होगी कक्ष निरीक्षकों की पहचान

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) सुरक्षा, निष्पक्षता और पारदर्शिता के लिए भर्ती परीक्षाओं में जुलाई से नई व्यवस्था लागू करने जा रहा है। इसके तहत फेस रिकॉग्निशन (चेहरे की पहचान) से कक्ष निरीक्षकों पहचान की जाएगी। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) सुरक्षा, निष्पक्षता और पारदर्शिता के लिए भर्ती परीक्षाओं में जुलाई से नई व्यवस्था लागू करने जा रहा है। इसके तहत फेस रिकॉग्निशन (चेहरे की पहचान) से कक्ष निरीक्षकों पहचान की जाएगी। 90 फीसदी से कम चेहरा मिला तो अनुपस्थित माने जाएंगे और मानदेय भी नहीं मिलेगा। आयोग के मुताबिक यूपी, दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, बिहार, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड समेत देशभर से हर वर्ष करीब दो करोड़ अभ्यर्थी विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के लिए आवेदन करते हैं। नई व्यवस्था से उनका विश्वास और बढ़ेगा। एसएससी की प्रमुख परीक्षाओं में देशभर में करीब 10 हजार कक्ष निरीक्षक तैनात होते हैं। नई प्रणाली लागू होने के बाद आयोग के पास यह पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा कि किस दिन, किस परीक्षा केंद्र पर और किस समय कौन कक्ष निरीक्षक ड्यूटी पर था। शिकायत, अनियमितता पर जिम्मेदारी तय कर तत्काल कार्रवाई की जा सकेगी।

फेस रिकॉग्निशन सिस्टम

– कक्ष निरीक्षक का डाटा अपलोड रहेगा, ड्यूटी स्थल पर चेहरे की डिजिटल स्कैनिंग होगी

– डाटाबेस में मौजूद फोटो से मिलान होगा, रिकॉर्ड सीधे आयोग के सर्वर पर सुरक्षित रहेगा

क्यों पड़ी नई व्यवस्था की जरूरत

– फर्जी उपस्थिति–ड्यूटी में लापरवाही के मामले आ रहे थे, जवाबदेही तय करना कठिन था

– सीजीएल और सीएचएसएल परीक्षाओं के अनुभवों के बाद इस नियम पर लिया गया निर्णय

पूर्व में सीजीएल और सीएचएसएल परीक्षाओं में कुछ गड़बड़ियां सामने आई थीं। इसे देखते हुए एआई आधारित निगरानी व्यवस्था जुलाई से लागू की जाएगी। इससे परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी। कोई भी कक्ष निरीक्षक अभ्यर्थी बनकर परीक्षा व्यवस्था का दुरुपयोग नहीं कर सकेगा। – डॉ. आशीष श्रीवास्तव, निदेशक, कर्मचारी चयन आयोग

स्टेनोग्राफर के 1170 पदों पर भर्ती करेगा एसएससी ग्रेड डी के 1021 और ग्रेड सी के 149 पद शामिल

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) स्टेनोग्राफर के 1170 पदों पर भर्ती करेगा। बृहस्पतिवार को जारी विवरण के अनुसार विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और कार्यालयों में ग्रेड डी व ग्रेड सी के पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) स्टेनोग्राफर के 1170 पदों पर भर्ती करेगा। बृहस्पतिवार को जारी विवरण के अनुसार विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और कार्यालयों में ग्रेड डी व ग्रेड सी के पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। इस प्रक्रिया में ग्रेड–डी के 1021 पद हैं। इनमें अनुसूचित जाति (एससी) के 133, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के 233, सामान्य वर्ग (यूआर) के 468, अनुसूचित जनजाति (एसटी) के 78 और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के 109 पद शामिल हैं। विभागवार रिक्तियों में दूरसंचार विभाग में 103, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग में 118, इंटेलिजेंस ब्यूरो में 66 और केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) में 249 पद प्रमुख हैं। वहीं ग्रेड सी के 149 पदों में एससी के 20, ओबीसी के 24, सामान्य वर्ग के 91, एसटी के तीन और ईडब्ल्यूएस के 11 पद शामिल हैं। इनमें वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में 39 और इंटेलिजेंस ब्यूरो में 46 पद निर्धारित किए गए हैं।

लंबी आपराधिक हिस्ट्री बनी बाधा, हत्यारोपित की जमानत अर्जी खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हत्या के मामले में जेल में बंद आरोपी विवेक कुमार शुक्ला उर्फ लल्ला शुक्ला की जमानत अर्जी खारिज कर दी। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ ने कहा कि आवेदक के खिलाफ कुल 14 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हत्या के मामले में जेल में बंद आरोपी विवेक कुमार शुक्ला उर्फ लल्ला शुक्ला की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ ने कहा कि आवेदक के खिलाफ कुल 14 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसकी लंबी आपराधिक पृष्ठभूमि से यह आशंका है कि रिहा होने पर वह पुनः अपराध कर सकता है। गवाहों को प्रभावित या धमका सकता है। ऐसे में उसे जमानत देना उचित नहीं होगा। मामला संतकबीर नगर के खलीलाबाद थाने में दर्ज हत्या के मुकदमे से जुड़ा है। एफआईआर के अनुसार हत्या के समय आवेदक अन्य आरोपियों के साथ मौजूद था।

केस सुलझा, कई सवाल अब भी बरकरार, वारदात का मास्टर माइंड कोई और तो नहीं

प्रयागराज। शहर के बीचोबीच स्थित साउथ मलाका इलाके में कारोबारी, उनकी पत्नी, बेटा और बेटी की हत्या का खुलासा पुलिस ने 12 घंटे में भले कर दिया है लेकिन लोगों को खुलासे पर पूरी तरह से विश्वास नहीं हो रहा है। तमाम ऐसे सवाल हैं, जिनका जवाब नहीं मिला है। हत्या के पीछे सिर्फ एक ही व्यक्ति है या इसका मास्टर माइंड कोई और है।

साउथ मलाका में वैश्य परिवार हत्याकांड का खुलासा भले ही पुलिस ने 12 घंटे के भीतर कर दिया हो लेकिन कई सवाल अब भी जवाब के इंतजार में हैं। संदेह इसलिए भी है क्योंकि पुलिस की जांच में लगातार नए तथ्य सामने आ रहे हैं। इससे चर्चा तेज हो गई है कि क्या इस जघन्य हत्याकांड के पीछे सिर्फ एक व्यक्ति था? या फिर कहानी में अभी कुछ और किरदार सामने आने बाकी हैं। जिस अभिषेक को घटना का मुख्य आरोपी बताया जा रहा है, वह अब जीवित नहीं है। यानी शनि की कहानी को सही या गलत साबित करने वाला कोई नहीं? जैसा शनि कहता जा रहा है वही सच माना जा रहा है। पुलिस भी इस गुत्थी को समझ रही है और मामले की जांच में जुटी हुई है। जांच में पता चला है कि आरोपी शनि गुप्ता रोजाना रात करीब 10 बजे तक अपने घर पहुंच जाता था।

घटना वाले दिन वह पूरी रात घर नहीं लौटा। हैरानी की बात यह है कि रात करीब एक बजे ही उसके भाई ने साउथ मलाका चौकी पहुंचकर शनि की गुमशुदगी की सूचना दे दी। पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच चर्चा है कि आखिर महज तीन घंटे में ही परिजनों को उसकी गुमशुदगी की चिंता क्यों होने लगी? आमतौर पर परिवार के लोग एक–दो दिन नाते–रिश्तेदारी या दोस्तों के यहां तलाश के बाद गुमशुदगी की सूचना देते हैं।

उधर, आरोपी भी कारोबारी वीरेंद्र वैश्य, पत्नी अनीता, बेटी मीनाक्षी और बेटा अभिषेक की हत्या करने के बाद पूरी रात घर पर रुका रहा। उसके पास वारदात को अंजाम देने के बाद भागने का पूरा मौका था लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। जब वह सुबह पांच बजे घर से बाहर निकलने लगा तो सीसीटीवी कैमरे में कैद होने की वजह से आसानी से पुलिस की गिरफ्त में आ गया।

दोस्त की हत्या के बाद गहने क्यों छोड़ गया?

आसपास के लोगों में दूसरा बड़ा सवाल लूटे गए जेवरात को लेकर है। पुलिस के अनुसार, शनि गुप्ता ने करीब एक किलो सोने और 360 ग्राम चांदी के जेवर लूटे थे। उसने इन्हीं जेवरों के बंटवारे की वजह से अभिषेक की हत्या कर दी। सवाल यह है कि जिस संपत्ति के लिए उसने चार हत्याएं कर दीं, उन्हीं जेवरात से भरा बैग वह अपनी दुकान के ऊपर छज्जे पर छोड़कर घर क्यों चला गया? यदि उसका मकसद सिर्फ लूट था तो वह जेवरात लेकर फरार क्यों नहीं हुआ?

कहीं सुनियोजित तरीके से तो नहीं हुई हत्या...

चार हत्या करने के बाद आरोपी अपना मोबाइल फोन दुकान पर छोड़कर घर क्यों चला गया? अपराध के बाद अधिकतर आरोपी अपने मोबाइल को नष्ट करने की कोशिश करते हैं, न कि वारदात स्थल के पास छोड़कर जाते हैं। ऐसे में मोबाइल छोड़ना भी कई सवाल खड़े कर रहा है। जांच के दौरान यह तथ्य भी सामने आया है कि वारदात के बाद आरोपी घटनास्थल पर लौटकर आया था। उसने निकलते समय चेहरा छिपाने का भी जतन नहीं किया। चेहरा छिपाकर पहचान का संकट भी खड़ा नहीं किया? इससे यह आशंका जताई जा रही है कि पूरे घटनाक्रम को बेहद सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया है, न कि अचानक योजना बनी है। जानकारों का कहना है कि पूरे घटनाक्रम के अध्ययन से ऐसा लगता है जैसे आरोपी ने खुद की मौजूदगी और लूट को साबित करने के सारे साक्ष्य पुलिस के लिए खुद ही छोड़ दिए, ताकि मामला सिर्फ लूट केंद्रित होकर खत्म हो जाए।

पर्दे के पीछे कोई और तो नहीं– पुलिस अब इस एंगल पर भी जांच कर रही है कि पर्दे के पीछे कोई और तो नहीं? क्या शनि गुप्ता के अलावा कोई और व्यक्ति इस हत्याकांड की जानकारी रखता था? या किसी और ने इस मामले में मदद पहुंचाई। कॉल डिटेल, मोबाइल लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की गहन जांच की जा रही है। हालांकि, पुलिस अधिकारी किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता की पुष्टि नहीं कर रहे हैं, लेकिन जांच अभी जारी है। यही वजह है कि केस का खुलासा होने के बावजूद कई सवाल लोगों के मन में बने हुए हैं।

अभी इन सवालों के जवाब तलाश रही पुलिस

– रात 10 बजे घर पहुंचने वाला शनि उस रात घर क्यों नहीं लौटा?
–एक घंटे में पूरी वारदात हो गई तो घर में 11 घंटे तक क्यों रुका रहा?
– महज तीन घंटे में भाई गुमशुदगी दर्ज कराने चौकी क्यों पहुंच गया?
– करोड़ों के जेवर दुकान के छज्जे पर छोड़कर आरोपी घर क्यों चला गया?
– लूट के लिए हत्या की तो जेवर लेकर फरार क्यों नहीं हुआ?
– आरोपी अपना मोबाइल फोन दुकान पर ही क्यों छोड़ दिया?
– क्या हत्या के पीछे सिर्फ शनि था या कोई और भी शामिल था?
– क्या पुलिस को अभी और किरदारों की तलाश है?
– अभिषेक की हत्या करने के बाद उसका चेहरा उसने एसिड से क्यों जलाया?

आदेशों के अनुपालन में हीलाहवाली पर तय हो अफसरों की आपराधिक जवाबदेही

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की विवेचना में सुस्ती और निगरानी में हीलाहवाली पर अफसरों को कड़ी फटकार लगाई है। कहा कि अपने असीमित विवेकाधिकार और शक्तियों के प्रयोग में कंजूसी कर अधिकारी लालफीताशाही को बढ़ावा दे रहे हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की विवेचना में सुस्ती और निगरानी में हीलाहवाली पर अफसरों को कड़ी फटकार लगाई है। कहा कि अपने असीमित विवेकाधिकार और शक्तियों के प्रयोग में कंजूसी कर अधिकारी लालफीताशाही को बढ़ावा दे रहे हैं। अब समय आ गया है कि अदालती आदेशों के प्रति लापरवाही के लिए छोटे कर्मचारियों पर गाज गिराने के बजाए बड़े अफसरों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाया जाना चाहिए, ताकि उनकी जवाबदेही तय हो सके।

इस तल्ख टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकल पीठ ने अवनेश कुमार अग्रवाल की याचिका पर निस्तारित करते हुए बरेली की विशेष अदालत के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसके जरिये याची के पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने की मांग खारिज कर दी गई थी। साथ ही क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय को पासपोर्ट नवीनीकरण की प्रक्रिया पूरी करने का आदेश दिया है।

2007 में बिजनौर में याची के खिलाफ भ्रष्टाचार से जुड़ीं दो एफआईआर दर्ज की गई थीं। इनमें वाणिज्यिक कर विभाग के अधिकारियों, व्यापारियों, ट्रांसपोर्टरों पर भ्रष्टाचार, जालसाजी और सरकारी अभिलेख नष्ट करने के आरोप लगाए गए थे। एक मामले में 18 साल बाद आरोपपत्र दाखिल किया गया, जबकि दूसरे की जांच लंबित है। मामले में हाईकोर्ट की एक अन्य पीठ ने आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगाई है।

कोर्ट ने पाया कि भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की जांच की निगरानी के लिए मनीष कुमार सिंह के केस में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चाधिकारियों को समिति गठित करने का निर्देश दिया था। आदेश के अनुपालन में समिति का गठन दो साल की देरी से हुआ पर उसकी कार्यशैली में कोई बदलाव नहीं दिखा। कोर्ट ने समिति की सक्रियता और कार्य प्रगति की रिपोर्ट तलब की। तीन दिसंबर 2025 से अब तक आठ तारीखें लगीं, अपर महाधिवक्ता ने अदालत को मांगी गई जानकारी मुहैया कराने का भरोसा दिलाया। इसके बावजूद महीनों बाद फैसला सुनाने की तारीख तक अफसर जानकारी नहीं दे सके।

अफसरों की कार्यसंस्कृति पर सीएम दें ध्यान

कोर्ट ने कहा कि सीएम को इस आदेश की प्रति पहुंचाई जाए, ताकि वे ध्यान दें कि बार–बार मौका दिए जाने के बाद भी अफसर अदालत को अंधेरे में रखने की कोशिश करते है। लिहाजा, अफसरों की इस कार्यसंस्कृति की जानकारी सीएम तक पहुंचाई जानी चाहिए। ताकि, सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ बनाई नीति पर अफसरों की लापरवाही पर लगाम लगाई जा सके।

जानकारी नहीं मिलने पर कोर्ट ने जताया दुःख

उच्च स्तरीय निगरानी समिति की प्रगति रिपोर्ट पर मांगी गई जानकारी अदालत को नहीं दी गई। इस पर कोर्ट ने दुख जताया। कहा कि फरवरी 2026 में फैसला सुरक्षित रखने के बाद कोर्ट ने तीन महीने तक इंतजार किया कि हाई–पावर्ड कमेटी अपनी प्रगति रिपोर्ट पेश करेगी। फैसला सुनाने से दो दिन पहले भी सरकारी वकीलों से संपर्क किया गया पर कोर्ट को कोई जानकारी नहीं दी गई।

मनीष कुमार सिंह मामले में क्या थे दिशा निर्देश

2023 में मनीष कुमार सिंह के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की खंडपीठ (डिवीजन बेंच) ने राज्य सरकार को भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के मामलों की समयबद्ध जांच के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हाई–पावर्ड कमेटी बनाने और दिशानिर्देश तय करने का आदेश दिया था।

दिल्ली हादसे के बाद 18 होटलों में अग्नि सुरक्षा जांच, खामियों पर संचालकों को दी चेतावनी

प्रयागराज। दिल्ली में हुए आग हादसे के बाद प्रयागराज अग्निशमन विभाग भी जाग गया है। बृहस्पतिवार को विभाग की टीम ने विशेष अभियान चलाकर शहर के 18 होटलों में आग से बचाव के लिए जांच पड़ताल की। दिल्ली में हुए आग हादसे के बाद प्रयागराज अग्निशमन विभाग भी जाग गया है। बृहस्पतिवार को विभाग की टीम ने विशेष अभियान चलाकर शहर के 18 होटलों में आग से बचाव के लिए जांच पड़ताल की। इस दौरान सुरक्षा उपकरणों, आपातकालीन निकास मार्गों और अग्निशमन व्यवस्था के इंतजाम परखे गए। वहीं खामियां पाए जाने पर सख्त चेतावनी दी गई। अग्निशमन विभाग ने होटलों में कार्यरत करीब 40 कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में बचाव एवं राहत कार्यों का प्रशिक्षण भी दिया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी चंद्र मोहन शर्मा के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में सदर तहसील क्षेत्र के रामबाग और शिवचरण रोड स्थित प्रमुख होटलों का निरीक्षण किया गया। टीम ने होटल सुखधाम, होटल मंदिरम, होटल कावेरी, होटल क्रॉउन पैलेस, होटल अनुराग और होटल न्यू शांति में फायर सेफ्टी मानकों का परीक्षण किया। कर्मचारियों को अग्निशमन यंत्रों के संचालन, धुएं से प्रभावित लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया तरीके बताए गए। मुख्य अग्निशमन अधिकारी चंद्र मोहन शर्मा ने बताया कि विशेष चेकिंग अभियान के तहत गंगापार क्षेत्र में चार और यमुनापार क्षेत्र में आठ होटलों की फायर ऑडिट की गई। इस तरह कुल 18 होटलों की सुरक्षा व्यवस्था की जांच की गई।

फायर विभाग की जांच में क्या देखा गया

– अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता और कार्यशीलता
– होटलों में आपातकालीन निकास
– होटल परिसर व कमरे में विद्युत सुरक्षा व्यवस्था
– फायर अलार्म और चेतावनी प्रणाली
– पानी और फायर फाइटिंग सिस्टम की स्थिति
– कर्मचारियों की आपदा प्रबंधन संबंधी तैयारी
– आग लगने पर रेस्क्यू और निकासी की व्यवस्था

सीबीआई 10 घंटे तक प्रधान डाकघर में खंगालती रही दस्तावेज, दर्ज किए गए बयान

प्रयागराज। रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार डाक विभाग के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) आशीष अग्रवाल के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की कार्रवाई बृहस्पतिवार दिनभर जारी रही। रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार डाक विभाग के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) आशीष अग्रवाल के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की कार्रवाई बृहस्पतिवार दिनभर जारी रही। सीबीआई की एंटी करप्शन शाखा की दूसरी टीम आरोपी के आवास पर भी पहुंची। सुबह से देर रात तक चली इस कार्रवाई के दौरान विभागीय रिकॉर्ड, निर्माण कार्यों से संबंधित फाइलों, भुगतान विवरण और वित्तीय दस्तावेजों की गहन पड़ताल की गई। सीबीआई की टीम सुबह करीब 11रू30 बजे प्रधान डाकघर पहुंची और रात करीब 9रू30 बजे तक वहां मौजूद रही। इस दौरान कार्यालय के विभिन्न अनुभागों से संबंधित दस्तावेजों को खंगाला गया। अधिकारियों ने निर्माण कार्यों की स्वीकृति, भुगतान प्रक्रिया, ठेकेदारों से जुड़े अभिलेखों और विभागीय अनुमोदनों से संबंधित फाइलों की बारीकी से जांच की। टीम ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने कब्जे में लिए हैं, जिनका परीक्षण आगे किया जाएगा। कार्रवाई के दौरान सीबीआई की दूसरी टीम आरोपी आशीष अग्रवाल के सुलेमसराय स्थित शेरवानी लीगेसी आवास पहुंची। यहां कई घंटों तक तलाशी ली गई। गिरफ्तारी के बाद आशीष अग्रवाल से रिश्वत मांगने के आरोप, भुगतान रोकने की प्रक्रिया, विभागीय स्वीकृतियां और विभिन्न निर्माण कार्यों से जुड़े निर्णयों के संबंध में सवाल पूछे गए।

नई टाउनशिप के लिए 100 करोड़ की पहली किस्त मंजूर, पांच सौ हेक्टेयर से होगी एयरोसिटी बसाने की शुरुआत

प्रयागराज। एयरपोर्ट के पास पांच सौ हेक्टेयर जमीन पर नई टाउनशिप एयरोसिटी बसाने के लिए कैबिनेट से 100 करोड़ रुपये की पहली किस्त को मंजूरी मिल गई है। एक सप्ताह में शासनादेश जारी होने की उम्मीद है। एयरपोर्ट के पास पांच सौ हेक्टेयर जमीन पर नई टाउनशिप एयरोसिटी बसाने के लिए कैबिनेट से 100 करोड़ रुपये की पहली किस्त को मंजूरी मिल गई है। एक सप्ताह में शासनादेश जारी होने की उम्मीद है। यह टाउनशिप अर्बन चौलेंज फंड के तहत विकसित की जानी है और इसके लिए अनुमानित खर्च की 25 फीसदी रकम सरकार की ओर से मुहैया कराई जाएगी।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने नई टाउनशिप के लिए पहले चरण में 417 करोड़ रुपये खर्च कर अनुमान लगाया है और 100 करोड़ रुपये सरकार से मांगे हैं। प्राधिकरण की योजना है कि पहले पांच सौ हेक्टेयर से टाउनशिप की शुरुआत की जाएगी और इस टाउनशिप को कम से कम एक हजार हेक्टेयर तक विस्तारित किया जाएगा।

एयरपोर्ट के पास प्रस्तावित इस टाउनशिप के लिए जिन गांवों का अधिग्रहण होना है, वहां पुल या चौड़ी सड़कें नहीं हैं। मूलभूत सुविधाओं की भी कमी है। ऐसे में जमीन अधिग्रहण के प्रभाव क्षेत्र में आने वाले किसान भी चाहते हैं कि टाउनशिप के लिए काम जल्द से जल्द शुरू हो। पीडीए के सूत्रों का कहना है कि तकरीबन 100 हेक्टेयर जमीन देने के लिए किसानों ने अपनी सहमति प्रदान कर दी है। अन्य गांवों के किसान भी पीडीए से संपर्क में हैं। ग्रामीणों को बताया गया है कि टाउनशिप विकसित होने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

न्यायखंड और टेक्नोलॉजी पार्क होगा विकसित

नई टाउनशिप में न्यायखंड व टेक्नोलॉजी पार्क भी विकसित किया जाएगा। इसके अलावा साहित्यिक खंड भी होगा। साथ ही अस्पताल, शिक्षण संस्थान, बैंक, डाकघर, बाजार, खेल के मैदान, होटल, रेस्टोरेंट, बहुमंजिला ग्रुप हाउसिंग आदि का निर्माण कराया जाएगा। अलग से आवासीय एवं व्यावसायिक प्लॉट भी मिलेंगे। खास बात यह है कि मेट्रो रेल के रूट में एयरपोर्ट को भी शामिल किया गया है। इससे टाउनशिप में रहने वालों को अवागमन के लिए बेहतर साधन उपलब्ध हो सकेंगे।

नई टाउनशिप के लिए कैबिनेट से मंजूरी मिल चुकी है। अब 100 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी होने का रास्ता साफ हो गया है। उम्मीद है कि एक से दो हफ्ते में शासनादेश जारी हो जाएगा। पहली किस्त मिलने के बाद जमीन खरीदने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। – ऋषि राज, उपाध्यक्ष, पीडीए

वैज्ञानिक साक्ष्य के अभाव में दुष्कर्म–हत्या के आरोपी को मिली जमानत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश की फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं की खराब स्थिति पर चिंता जताते हुए सीएम से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश की फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं की खराब स्थिति पर चिंता जताते हुए सीएम से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ ने एटा के एक दुष्कर्म व हत्या के मामले में आरोपी मनोज को जमानत देते हुए कहा कि वैज्ञानिक साक्ष्यों के अभाव में उसे जेल में रखना उचित नहीं है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण के प्रति जागरूक किया और मुख्यमंत्री का जन्मदिन मनाया

सीएम के जन्मदिन पर, हम यह संकल्प लेते हैं कि हम अपने पर्यावरण की रक्षा करेंगे–राजेश शुक्ल जिलाध्यक्ष भाजपा

प्रयागराज। भाजपा यमुनापार चाका मण्डल अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल की गरिमामयी उपस्थिति में वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री का जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ चाका मण्डल में मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कई गांव में वृक्षारोपण किया गया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस के अवसर पर केक काटकर एवं मिठाई वितरित कर उनकी दीर्घायु,उत्तम स्वास्थ्य एवं प्रदेश की निरंतर उन्नति की कामना की गई। जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर, हम यह संकल्प लेते हैं कि हम अपने पर्यावरण की रक्षा करेंगे और इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित बनाए रखेंगे। मुख्यमंत्री के नेतृत्व क्षमता और पर्यावरण के प्रति आपकी प्रतिबद्धता हमें प्रेरित करती है। हम मिलकर एक हरित और स्वस्थ भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाएंगे। जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएँ दिया। मंडल अध्यक्ष राकेश सिंह पटेल ने कहा मुख्यमंत्री हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष मंडल प्रभारी सुधाकर पांडे,जिला मंत्री मंडल प्रभारी पृथ्वी पाल सिंह, चंदन सिंह पार्षद बलराज पटेल सेक्टर संयोजक, अनिरुद्ध जायसवाल, अभिषेक त्रिपाठी सेक्टर संयोजक, गुलशन पटेल, मंडल उपाध्यक्ष अंकित पांडे मंडल उपाध्यक्ष विनोद कुमार पांडे मंडल महामंत्री सुनील उपाध्यायमंडल महामंत्री अभिषेक सिंह मंडल मंत्री मिश्रीलाल कुशवाहा रोहित पटेल मंडल मंत्री बबलू गौतम पेंटर मंडल मंत्री मोहित अग्रहरि रोहित पटेल बूथ अध्यक्ष अजय कुमार सेक्टर संयोजक कमलेश पाल मंडल उपाध्यक्ष अभय राज सिंह पटेल शैलेंद्र सिंह पटेल सेक्टर संयोजक राजेश तिवारी आदि पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ताओं ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

पर्यावरण दिवस के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन भी मनाया गया

प्रयागराज। विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया। साथ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का जन्मदिन भी मनाया गया। पेड़ लगाना केवल प्रकृति सेवा नहीं, बल्कि आने वाले भविष्य को

सुरक्षित करने का माध्यम है। कार्यक्रम में उपस्थित मंडल के प्रभारी रमेश पासी जी महानगर के मंत्री रेनीज विश्वास श्रीवास्तव मंडल अध्यक्ष सुमित वैश्य जी पूर्व मंडल अध्यक्ष दिनेश विश्वकर्मा जी पार्षद नीरज टंडन जी कार्यक्रम के प्रभारी मंडल के मंत्री अवधेश श्रीवास्तव जी कुमकुम श्रीवास्तव जी माशू अब्बास नकवी विजय कुशवाहा अजय श्रीवास्तव विशाल कुमार राजेश शर्मा नमामि गंगे सुरेश निषाद अतुल खन्ना लता उपाध्याय दिलीप जायसवाल योगेश केसरवानी मुन्ना गांधी जी योगेश चौरसिया जी सौरभ केसरवानी पंकज गुप्ता कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे उपरोक्त जानकारी मीडिया प्रभारी अरविन्द पाण्डेय जी ने दी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर 5001 पौधे वितरित

लखनऊ (संवाददाता)। विश्व पर्यावरण दिवस पर लखनऊ में हरियाली की अनोखी पहल देखने को मिली। इंदिरा नगर के विकास भवन स्थित सौरभ नर्सरी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए बड़ा अभियान चलाते हुए 5001 निःशुल्क पौधों के वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया। सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग नर्सरी पहुंचे और पौधे लेकर पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेण्डर नं.: पीआरवाइजे-सिग-009-2026-27 | दिनांक: 03.06.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरि0 मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/समन्व0 उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेण्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा नं.: 009	अनुमानित मूल्य : ₹ 43552229.74

कार्य का विवरण: (A) प्रयागराज मंडल में सूबेदारगंज स्टेशन पर स्टेबलिंग लाइनों का प्रावधान एवं (B) सूबेदारगंज स्टेशन पर लाइन संख्या 2 एवं 3 को हटाकर एक नए आइलैंड प्लेटफॉर्म के निर्माण के साथ-साथ मौजूदा प्लेटफॉर्म संख्या 6 को चालू रखने के संबंध में सिगनल एवं दूरसंचार (S&T) कार्य।

धरोहर राशि : ₹ 871100/-	निविदा प्रपत्र का मूल्य : ₹ 0.00
कार्य समापन की अवधि : बारह माह	निविदा खुलने की तिथि : 07.07.2026

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप: निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्यूरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्यूरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह उ0प्र0 स्टांप अधिनियम 2009 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्यूरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी। निविदा खुलने का समय तथा स्थान: निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। निविदा की वैधता: निविदा खुलने के 60 दिन तक। निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार: रेलवे प्रशासन का, किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 1264/26 (A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

ईश्वर शरण में विश्व पर्यावरण दिवस विविध कार्यक्रमों का आयोजन

प्रयागराज। आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ईश्वर शरण महाविद्यालय द्वारा पर्यावरण विज्ञान विभाग, इको ग्रीन क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में 'परिचर्चा, शपथ एवं वृक्षारोपण तथा लघु वीडियो (रील निर्माण) प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आनंद शंकर सिंह ने कहा कि धरती पर जीवन का आधार पर्यावरण है लेकिन आज का बढ़ता प्रदूषण, जंगलों की कटाई, ग्लोबल वार्मिंग, पर्यावरण को गंभीर चोट पहुंचा रहे हैं। उन्होंने प्राचीन ऐतिहासिक एवं साहित्यिक स्रोतों पर प्रकाश डालते हुए प्राचीन कालीन पर्यावरणीय संरक्षण के अनेक पहलुओं को साझा किया। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल के लोग 'जीवन के साथ प्रकृति और प्रकृति के साथ हम' जैसे मूल्यों पर चलने की कोशिश करते थे। इसके बाद डॉक्टर विनय रंजन, निर्देशक भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण मध्य क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज ने विद्यार्थियों को उद्बोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों को बर्बाद होने से बचाना पर्यावरण संरक्षण में एक बड़ा योगदान है। डॉ सी. मुरुगन, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण मध्य क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज ने सभी से पर्यावरण बचाने की अपील की। इसके बाद डॉक्टर संजय, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण मध्य क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज ने सुरक्षित पर्यावरण के लिए जीवन शैली कैसी हो, उपयोग की हुई वस्तु को रिसाइकल कैसे किया जाए, पुरानी पीढियों के जीवन जीने के तरीके एवं परंपरागत जीवन शैली को पुणे आत्मसात करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी, डॉ अरविंद कुमार मिश्र ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि हमारे स्वास्थ्य और शांतिपूर्ण जीवन के लिए स्वच्छ पर्यावरण का होना बहुत आवश्यक है जिसके लिए इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से हमारे स्वयंसेवकों द्वारा लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने 'मिशन लाइफ' एवं 'तंबाकू निषेध' हेतु कार्यक्रम में उपस्थित जनों को शपथ दिलाई। इस आयोजन में कार्यक्रम अधिकारी डॉ कृष्णा सिंह व डॉ रेफाक अहमद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ गायत्री सिंह और धन्यवाद ज्ञापन डॉ शैलेश यादव ने किया। उपरोक्त कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में पर्यावरण विज्ञान विभाग, ईश्वर शरण महाविद्यालय के डॉ धर्मेंद्र कुमार तथा डॉ शचि सिन्हा की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ कृपा किंजलकम एवं महाविद्यालय के शोध छात्र, स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाएं तथा विभिन्न विभागों के गैर शैक्षणिक कर्मचारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में महाविद्यालय परिसर में विभिन्न महत्वपूर्ण व कई प्रकार के पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यार्थियों ने पर्यावरण को बचाने से संबंधित लघु वीडियो रेल निर्माण प्रतियोगिता में सहभागिता करते हुए प्रस्तुतीकरण दिए तथा अपने–अपने विचारों को साझा किया जिसमें पीयूष यादव, प्रथम, अंजलि त्रिपाठी, द्वितीय व दिव्या पांडे, तृतीय स्थान पर रहीं।

श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम द्वारा पर्यावरण दिवस समारोह आयोजित

काकीनाडा। विधानसभा पार्षद पेराबथुला राजशेखर ने कहा कि पेड़ लगाकर पर्यावरण संतुलन को बनाए रखना चाहिए।

उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट की काकीनाडा शाखा के तत्वावधान में शुक्रवार को श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के काकीनाडा आश्रम में पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह की अध्यक्षता में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि अपने उदगार व्यक्त करते हुए स्थानीय विधानसभा पार्षद श्री पेराबथुला राजशेखर ने कहा कि सृष्टि और मनुष्य के बीच अटूट संबंध है, इसलिए राजशेखर ने पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर चेयुता के अध्यक्ष श्री रविकुमार ने कहा कि खाए गए फलों के बीज मिट्टी में रोपकर बहुत सारे पौधे उगाए जा सकते हैं। पर्यावरण की रक्षा सबकी जिम्मेवारी है। रिटायर्ड आरटीओ श्री चिक्कम रामचंद्र राव ने कहा कि अगर हमें प्रदूषित हवा की बजाय साफ हवा में सांस लेनी है, तो सभी को पौधे रोपने चाहिए। जेएनटीयूके के प्रोफेसर डॉ. उदय भास्कर ने कहा कि प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करना चाहिए और हर पौधे के बड़ा होने तक उसे संरक्षित किया जाना चाहिए।

श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौंवे पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि अगर हर कोई 3 पौधे लगाकर, उन्हें ब्रह्मा, विष्णु और महेश्वर के रूप में बड़ा करे और उनकी पूजा करे, फल–फूल पूजा में रखे और उन्हें महाप्रसाद के रूप में ग्रहण करे, तो परिवार के सभी सदस्यों को भगवान का आशीर्वाद मिल सकेगा। डॉ. उमर अली शाह ने प्रकृति और जीवों की रक्षा करने का आह्वान किया।

तत्पश्चात, पीठाधिपति डॉ उमर अली शाह, एमएलसी राजशेखर व अन्य अतिथियों के साथ बड़ी संख्या में पीठम के सदस्यों ने पर्यावरण जागरूकता रैली में भाग लिया और ध्वज के साथ रैली निकाली। पीठम के सदस्यों ने पौधों के साथ वाकलापुडी आश्रम से रामान्यपेट, सर्पवरम जंक्शन होते हुए बोट क्लब स्थित कविशेखर डॉ उमर अली शाह की प्रतिमा तक रैली निकाली और पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। सभी सदस्यों ने बोट क्लब स्थित उमर अली शाह बटरमिल्क केन्द्र पर छाछ ग्रहण करने के उपरांत अपने–अपने घरों के लिए रवाना हो गए।

इस कार्यक्रम में पीठम संयोजक श्री पेरुरी सुरीबाबू, पीठम केंद्रीय समिति सदस्य श्री एवीवी सत्यनारायण, स्थानीय संयोजक श्रीमती मंदा येल्लमम्बा, श्रीमती काकीनाडा लक्ष्मी, श्रीमती रेड्डी सूर्या प्रभावती, वनुमु मणि, पेरुरी बाबजी, श्री दान राजू ने भाग लिया। के. सुब्बालक्ष्मी, श्री पी. दुर्गा प्रसाद, जो पिछले दो हफ़्ते से बोट क्लब में उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट के तहत बटरमिल्क चिलिंग सेंटर में सेवा दे रहे हैं, उन्हें पीठाधिपति ने शाल ओढाकर सम्मानित किया। बटरमिल्क चिलिंग सेंटर में सेवा देने वाले सभी लोगों को स्वामी प्रसादम बांटा गया।

बाद में, जेएनटीयूके सीनेट हॉल में श्री पिल्ली तिरुपति राव द्वारा आयोजित मदर इंडिया इंटरनेशनल एनिवर्सरी सेलिब्रेशन द्वारा मुख्य अतिथि पीठाधिपति डॉ. उमर अलीशा को जेएनटीयूके के वाइस चांसलर डॉ.वीएसआरके प्रसाद, श्री अमलकांति श्रीनिवास राव, कवि सिरिशा और दूसरों ने षविश्व विज्ञान कीर्तिष अवॉर्ड से सम्मानित किया।

वृक्ष एवं स्वच्छ पर्यावरण ही स्वस्थ जीवन का आधार- प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस"

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर परिसर प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। परिसर के निदेशक (प्रभारी) प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" ने हरे–भरे फलदार एवं पर्यावरणानुरूप पौधों का आरोपण कर प्रकृति एवं पर्यावरण को स्वस्थ बनाने का अभियान चलाने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम के आयोजन के अवसर पर प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" ने पर्यावरण विषयक चुनौतियों एवं सम्स्याओं का उल्लेख किया। उन्होंने साम्प्रतिक पर्यावरण सम्बन्धी समस्या को गम्भीर एवं विकराल बताया। उनके अनुसार यह समय हार मानकर बैठने का नहीं अपितु पर्यावरण संरक्षण के लिए और अधिक प्रयत्नशील होकर इस क्षेत्र में कार्य करने का है। उनके अनुसार यदि हम अभी भी सजग नहीं होते हैं तो प्रकृति अपने भयावह स्वरूप में हमारे समक्ष आयेगी, जिसका परिणाम भी भयावह ही होगा। इसके पूर्व विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डॉ. सुरेश पाण्डेय ने वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में परिसरीय प्रांगण में अनेकों फलदार एवं घनी छायादार पौधो का आरोपण किया गया। डॉ. सुरेश पाण्डेय ने एक वृक्ष माता के नाम अभियान को वृक्षारोपण अभियान के साथ ही भावनात्मक रूप से स्वयं को जोड़ने का अवसर बताया। उन्होंने वृक्षारोपण कार्यक्रम को मात्र एक दिवस में सीमित न रखकर प्रतिदिन की दिनचर्या में सम्मिलित करने की आवश्यकता बताई। परिसरीय सदस्यों ने इसके साथ ही 'पर्यावरण संरक्षण दृ हमारा कर्तव्य' विषय पर परिचर्चा सत्र में भी भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. यशवन्त त्रिवेदी ने किया। वक्तव्य के पश्चात् परिसर के प्रांगण में परिसरीय सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। प्रांगण में बेल, जामुन, अंजीर, अमरूद, अर्जुन एवं आम के वृक्ष आदि अति उपयोगी पौधों का आरोपण किया गया। सभी सदस्यों ने आरोपित वृक्षों की निरन्तर देखभाल करते रहने की शपथ भी ली। इस अवसर पर परिसर के सहनिदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. मंगलदेव त्रिपाठी, डॉ. श्यामसुन्दर पाण्डेय, श्री अंकित मिश्र, जनसम्पर्क अधिकारी एवं मीडिया प्रभारी श्री राजेशकान्त तिवारी, श्री नन्द कुमार, श्री द्वारिका प्रसाद कुशवाहा, श्री राम सिंह, श्री अखिलेश मिश्र सहित अन्य परिसरीय सदस्य उपस्थित रहे।

नाम चमेली जान

रानी है यह फूल की, नाम 'चमेली' जान।
खुशबु की भंडार है, लेकिन नहीं गुमान।
लेकिन नहीं गुमान, हमेशा हँसती रहती।
बनकर सदा सुकून, सुगन्धित बगिया करती।
सुन लो कहें प्रदीप, करो मत ग़लत बयानी।
हर दिल का बन गीत, सुकूँ देती है रानी।।

सीमा संस्कृति धर्म से, परे चमेली फूल।
रहें लताओं पर सदा, खुशबू में मशगूल।
खुशबू में मशगूल, ईश का अति प्रिय बनकर।
माला का धर रूप, चरण में रहती हँसकर।
सुन लो कहें प्रदीप,पूर्णिमा सी शीतलता।
कहे अनोखी बात,न लाँघे अपनी सीमा।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सी.एम.पी. महाविद्यालय परिसर में पौधा रोपण किया गया

प्रयागराज। 5 जून को पर्यावरण के अवसर पर सभी विभागो द्वारा सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज परिसर में अमलतास,अशोक, बोगिनवेलिया के पौधे लगाए गये स प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे एवम् अन्य शिक्षको द्वारा भी पर्यावरण दिवस पर, इसी लक्ष्य से सहभागिता करते हुए पौधा रोपण तथा इनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की उप प्राचार्य प्रो. नीता सिन्हा, वरिष्ठ प्रो. सरोज सिंह, प्रो. अर्चना श्रीवास्तव,प्रो. मीना राय, प्रो. मंजू श्रीवास्तव, प्रो. आभा त्रिपाठी, प्रो. अमिता पाण्डेय, प्रो. संजय सिंह, प्रो. सरिता श्रीवास्तव, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पूजा गोंड, डॉ .सपना मौर्या डॉ.राजेश यादव एवं शोध छात्र–छात्राएं स्वप्निल आनंद, अंकिता वर्मा, पवन, वैशाली भारतीय तथा कॉलेज के माली रमापति ,सचिन, कमल, दयाशंकर एवं सभी छात्र, छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम की पूरी रूप–रेखा डॉ. दीपक कुमार गोंड (वनस्पति विभाग)ने तय किया।

आम तोड़ने चढ़ा युवक पेड़ से गिरा, मौत

लखनऊ (संवाददाता)। काकोरी इलाके में आम तोड़ने के दौरान पेड़ से गिरकर घायल हुए युवक की इलाज के दौरान ट्रॉमा सेंटर में मौत हो गई। मृतक का दो दिन पहले ही जन्मदिन था, जिसे उसकी 11 वर्षीय बेटी ने बड़े उत्साह के साथ मनाया था। काकोरी ग्राम हलवापुर निवासी मुकेश गौतम (37) पुत्र हरीश चंद्र गौतम आम तोड़ने के लिए घर के पास ही लगे पेड़ पर चढ़े थे। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह मुंह के बल नीचे गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां से ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मुकेश आर्टिफिशियल ज्वेलरी का काम करते थे। उनकी मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं.- No. CC-6/E-Auction/Commercial Publicity/2025 | दिनांक- 03.06.2026

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित ई-नीलामी बोलियां आमंत्रित की जाती है।

प्रयागराज मण्डल द्वारा आमंत्रित ई-नीलामी

क्र.सं.1. वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: प्रयागराज-छिवकी स्टेशन पर 'आउट ऑफ होम' (Out of Home) माध्यम से होर्डिंग/यूनिपोल (5000 वर्ग फीट) और स्टैंड-अलोन (450 वर्ग फीट) के ज़रिए कमर्शियल प्रचार/विज्ञापन के अधिकार उपलब्ध हैं। संलग्न स्थानों के अनुसार, कमर्शियल प्रचार/विज्ञापन के लिए कुल 5450 वर्ग फीट का क्षेत्र उपलब्ध है।

ई-आक्शन कैटलाग संख्या: ADVT-OH-PCOI-26

ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय: 10.06.2026 at 11.00 hrs.

क्र.सं.2. वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: प्रयागराज मंडल के अंतर्गत, फतेहपुर रेलवे स्टेशन के PF-01 की ओर (उत्तरी दिशा) में, पाँच वर्षों की अवधि के लिए एक फूड वैन (जो ग्राहकों को 24X7 सेवा प्रदान करेगी) की स्थापना, संचालन और रखरखाव।

क्र.सं.3. वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: मानिकपुर में 01 कियोस्क, फतेहपुर पर 01 कियोस्क, मिर्जापुर पर 01 कियोस्क, विंध्याचल पर 01 कियोस्क, और इटावा रेलवे स्टेशनों पर 01 कियोस्क में मोबाइल और एक्सेसरीज़ कियोस्क के साथ-साथ अन्य यूटिलिटी आइटम की स्थापना।

क्र.सं. 2 एवं 3 के लिए- ई-आक्शन कैटलाग संख्या: FV-FTP-MS-5STNs

क्र.सं. 2 एवं 3 के लिए- ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय:10.06.2026 at 12.00 hrs.

क्र.सं.4. वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: हाथरस, कानपुर अनवरगंज और पनकीधाम में पाँच वर्षों की अवधि के लिए, तथा अधिकतम 6 फीट गुणा 6 फीट के क्षेत्रफल में, ऑटोमेटेड टेलर मशीन (ATM) की स्थापना और संचालन।

ई-आक्शन कैटलाग संख्या: ATM-03 STNs-2026

ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय: 10.06.2026 at 12.00 hrs.

क्र.सं.5. वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: प्रयागराज मंडल के अंतर्गत अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर, संलग्न साइट प्लान के अनुसार, 5 वर्षों की अवधि के लिए गेमिंग ज़ोन-कम-फन पार्क सुविधाओं की स्थापना, संचालन और रखरखाव हेतु अनुबंध।

क्र.सं.6. वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर पाँच (5) वर्षों की अवधि के लिए इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन की स्थापना, संचालन और रखरखाव हेतु ई-नीलामी, संलग्न संयुक्त रूप से चिन्हित साइट प्लान और चिन्हित क्षेत्र के अनुसार।

क्र.सं. 5 एवं 6 के लिए- ई-आक्शन कैटलाग संख्या: MSS-GZ-EV-ALJN

क्र.सं. 5 एवं 6 के लिए- ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय:15.06.2026 at 12.00 hrs.

क्र.सं.7. वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: 'आउट ऑफ होम' पॉलिसी के तहत 7 ROB पर विभिन्न माध्यमों से विज्ञापन द्वारा व्यावसायिक प्रचार हेतु ई-नीलामी।

ई-आक्शन कैटलाग संख्या: ADVT-ROB-PRYJ

ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय: 15.06.2026 at 12.00 hrs.

क्र.सं.8. वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: टूंडला रेलवे स्टेशन पर 'आउट ऑफ होम' पॉलिसी के तहत, यूनिपोल/होर्डिंग मीडिया के माध्यम से 03 वर्षों की अवधि के लिए व्यावसायिक प्रचार/ विज्ञापन के अधिकार।

क्र.सं.9. वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: प्रयागराज छिवकी स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 'आउट ऑफ होम' पॉलिसी के तहत, वीडियो वॉल (20 फीट X 10 फीट) के माध्यम से व्यावसायिक प्रचार/विज्ञापन के अधिकार।

क्र.सं.10. वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: फिरोज़ाबाद रेलवे स्टेशन पर 'आउट ऑफ होम' पॉलिसी के तहत, LED स्क्रीन के माध्यम से व्यावसायिक प्रचार/विज्ञापन के अधिकार।

क्र.सं.11. वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: रूरा रेलवे स्टेशन पर 'RDN नॉन-डिजिटल' पॉलिसी के तहत, यूनिपोल/होर्डिंग मीडिया के माध्यम से तीन वर्षों के लिए व्यावसायिक प्रचार/विज्ञापन के अधिकार।

क्र.सं.12. वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: इटावा रेलवे स्टेशन पर 'आउट ऑफ होम' पॉलिसी के तहत, LED स्क्रीन के माध्यम से व्यावसायिक प्रचार/विज्ञापन के अधिकार।

क्र.सं. 8 से 12 के लिए- ई-आक्शन कैटलाग संख्या: NFR-Advt-05STNs

क्र.सं. 8 से 12 के लिए- ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय:19.06.2026 at 12.00 hrs.

नोट:- इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए, ई-नीलामी में भाग लेने के लिए अधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं। 1266/26 FA

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

खाक हुई जिंदगियां

दिल्ली में मालवीय नगर स्थित एक होटल में हुए अग्निकांड के बाद भले ही गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया हो, लेकिन सवाल है कि अग्निकांड में मरे लोगों का जीवन कौन लौटाएगा? आखिर देश की राजधानी में अकसर होने वाले अग्निकांडों का सिलसिला कब और कैसे खत्म होगा? क्या इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय होगी? एक बार फिर अंधे लालच और आंख मूंदे तंत्र की लापरवाही से बुधवार को एक होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत हो गई। अभी भी कई लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका भी जतायी जा रही है। घटना ने एक बार फिर होटल, गेस्टहाउस और रेस्तरां संचालन की निगरानी करने वाली व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विडंबना देखिए कि मरने वालों में अधिकांश विदेशी लोग भी हैं, जो सस्ता इलाज कराने भारत आए थे। एक ही परिवार के आठ लोगों के अग्निकांड का शिकार होना बेहद दुखद है। विडंबना देखिए कि जिस एक मंजिला भवन को छह कमरों का गेस्ट हाउस चलाने की अनुमति मिली थी, वहां शासन–प्रशासन की नाक के नीचे एक छह मंजिला होटल बना दिया गया, जिसमें 26 कमरे और रेस्टोरेंट संचालित किया जा रहा था। जिसमें अस्सी से सौ लोगों की मौजूदगी बतायी जा रही है। निश्चित रूप से यह महज आग से जुड़ा हादसा नहीं है बल्कि होटल संचालन से जुड़े नियमों की अनदेखी, निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही और तंत्र की विफलता का परिचायक है। लेकिन गाहे–बगाहे होने वाले अग्निकांडों के बावजूद तंत्र की काहिली बदस्तूर जारी है। जांच के दायरे में घटना के बाद फरार होटल मालिक ही नहीं, बल्कि वे अधिकारी भी जिम्मेदार हैं जिन्होंने इसको संचालित करने के नियमों का अनुपालन नहीं किया और भवन निर्माण की स्वीकृति व उपयोग की अनुमति दी। यह जानते हुए भी कि होटल में निकासी का मार्ग बेहद संकरा है और अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध नहीं हैं। दिल्ली के होटल में हुए अग्निकांड के बारे में बताते हैं कि आपातकालीन निकासी के अभाव व सुरक्षा मानकों का पालन न होने से ज्यादा मौतें हुई। धुंआ निकलने की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण भी ज्यादा लोग दम घुटने से मौत के मुंह में समा गए। आखिर प्रशासन के अधिकारियों ने यह क्यों नहीं देखा कि स्वीकृत क्षमता से चार गुना विस्तार कर लिया गया है। गेस्ट हाउस के निर्माण में तमाम लाइसेंस शर्तों का घोर उल्लंघन हुआ। आपातकालीन निकासी की व्यवस्था न होने के कारण लोग अपनी जान बचाने के लिये, बदहवासी में ऊपरी मंजिलों से कूदते नजर आए। होटल के बाहर फैले बिजली के तार और अग्निकांड में हुई व्यापक क्षति बताती है कि विद्युत सुरक्षा मानकों का भी पालन ठीक से नहीं हुआ। जाहिर बात है कि गेस्ट हाउस से होटल बनाने से, उपयोग में हुए बदलाव की निगरानी की जिम्मेदारी स्थानीय नगर निकाय की होती है। यदि वर्षों से यह अवैध रूप से संचालित था, तो जांच व कार्रवाई क्यों नहीं की गई। यदि इसकी अग्नि सुरक्षा को लेकर एनओसी जारी की भी गई थी तो उसके बाद निरीक्षण व नियमों का अनुपालन क्यों सुनिश्चित नहीं किया गया? जाहिर बात है कि लाइसेंस प्राप्त करने वाले होटलों व रेस्टोरेंट की नियमित जांच करके इनके मालिकों की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए थी। क्यों किसी भी विभाग ने निरीक्षण व कार्रवाई की जहमत नहीं उठायी? क्या निरीक्षण करने वाले अधिकारी ले–देकर खामोश होकर बैठ गए? विडंबना देखिए कि बेसमेंट में कमरे,किचन बना दिए गए, लेकिन वेंटिलेशन व इमरजेंसी एग्जिट का कोई प्रावधान नहीं था। जिससे होटल धुंआ निकासी की चिमनी बनकर रह गया और तमाम लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। बताते हैं कि आरोपी होटल मालिक आसपास में ही कुछ पार्टनरों के साथ मिलकर तीन होटल संचालित कर रहा था और सब ही जगह आपराधिक लापरवाही नजर आई। मोटे मुनाफे के लिये लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा था। लेकिन स्थानीय प्रशासन व जवाबदेह विभाग बेपरवाह बने रहे। निश्चय ही यह स्थिति सख्त कार्रवाई के बाद बदलनी चाहिए।

कौड़ियों में उलझा भाषायी चरित्र

सर्वमित्रा सुरजन

मध्यप्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने हाल ही में मुख्यमंत्री मोहन यादव को एक पत्र में कहा है कि वह जनता के सवाल पूछते रहेंगे, जो उनका कर्तव्य है और वह पूरी विनम्रता के साथ अपनी इस लोकतांत्रिक जिम्मेदारी को निभाते रहेंगे। पत्र में पटवारी ने लिखा है कि यदि गाली देना आपका अधिकार है, तो उसका पालन आप करते रहिए, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं जो भी मुद्दे उठाता हूं, वे किसी व्यक्तिगत राजनीति का हिस्सा नहीं होते, बल्कि मध्यप्रदेश की जनता की पीड़ा और जनभावनाओं की अभिव्यक्ति होते हैं। इससे पहले एक वीडियो संदेश में उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे मुख्यमंत्री का पुतला दहन नहीं करें, क्योंकि इसमें हिंसा का भाव जुड़ा है। गांधीवादी और गोडसेवादी का अंतर स्पष्ट करते हुए जीतू पटवारी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा कि वे भाजपा के लोगों को फूल देकर उनके सामने प्यार से अपना विरोध दर्ज कराएं। जीतू पटवारी को यह अपील उस समय करनी पड़ी जब मुख्यमंत्री ने उनके लिए टपोरी लाल, ढपोरशंख और दो कौड़ी का प्रदेश अध्यक्ष जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। मोहन यादव ने कहा कि जीतू पटवारी को चुनाव न जीतने के कारण नाकाम बताते हुए कहा कि जब देश में संकट आए तो नेता प्रतिपक्ष भाग जाये। जब प्रदेश में विकास की बयार चले तो इनका दो कौड़ी का प्रदेश अध्यक्ष हाय रे, हाय रे करे। मोहन यादव ने यहां तक कहा कि आजादी के बाद से उन्होंने कांग्रेस का इतना रद्दी अध्यक्ष नहीं देखा है। आज से कुछ साल पहले तक राजनैतिक विरोधियों के लिए दो कौड़ी, रद्दी जैसे शब्द कम बोले–सुने जाते थे। लेकिन आज की भाजपा के दौर में यही राजनैतिक संस्कृति विकसित हो चुकी है। कुछ समय पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के लिए कहा था कि मैं उनका पेड़ा बना दूंगा। खेड़ा और पेड़ा की ऐसी तुकबंदी स्कूल–कॉलेज के बच्चे आपसी लड़ाई में तो कर सकते हैं, लेकिन राज्य के मुख्यमंत्री भी इसी स्तर की बात करेंगे, ऐसा किसने सोचा था। उत्तरप्रदेश में भी भाजपा के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मौलवियों की मांग पर कहा कि गाय हमारे लिए कोई पशु नहीं है, बल्कि वह हमारे लिए माता के समान है। जो लोग गाय को सिर्फ एक पशु मानते हैं, उनकी बुद्धि पशु जैसी है, उनकी सोच पशुवत है। माना कि योगी को गौमाता के लिए अपनी अटूट श्रद्धा दिखानी थी, लेकिन क्या यह केवल तभी जाहिर होगी, जब आप मुसलमानों की सोच को पशुवत बताएं। सनातन धर्म तो प्राणिमात्र के लिए दया का भाव दिखाने की सीख देता है, हर जीव के लिए करुणा की बात करता है। इन राजनेताओं से पहले हमारे मुख्य न्यायाधीश ने एक सुनवाई में कॉकरोच और परजीवी शब्द का इस्तेमाल किया तो उसकी ऐसी प्रतिक्रिया हुई कि कॉकरोच जनता पार्टी नाम से आंदोलन ही खड़ा हो गया। हालांकि मुख्य न्यायाधीश ने बता दिया कि उनका इरादा वह नहीं था, जो समझा गया। लेकिन फिर भी कॉकरोच शब्द राजनैतिक विमर्श में ऐसा आ गया कि अब उपराष्ट्रपति ने भी उसका इस्तेमाल किया। पिछले दिनों एक कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने कहा कि, सकारात्मक कामों की अच्छी तरह से रिपोर्टिंग की जानी चाहिए। तभी युवाओं को सही जानकारी मिलेगी वरना वे रुचि खो देंगे और कॉकरोच की राह पर चल पड़ेंगे। यहां जिस तरीके से कॉकरोच शब्द का इस्तेमाल किया गया है, उससे जाहिर है कि उपराष्ट्रपति भी मुख्य न्यायाधीश के विचारों से इत्तेफाक रखते हैं। विडंबना है कि लोकतंत्र में विरोध करने, आंदोलन करने को अब इतना निकृष्ट मान लिया गया है कि कोसने के लिए कीड़े–मकोड़ों की उपमाएं दी जा रही हैं। भाजपा और उसके समर्थकों में विरोधियों के लिए कॉकरोच शब्द को लेकर एक अघोषित सहमति बनी हुई दिख रही है। क्योंकि खुद को कवि कहने वाले कुमार विश्वास ने भी कहा है कि कॉकरोच बने हैं तो देश में हिट भी बने हैं। कॉकरोचों का इलाज हो जाएगा। ध्यान रहे कि ये वही कुमार विश्वास हैं जो खुद अन्ना आंदोलन के वक्त सुर्खियों में आए और उस मंच का लाभ उठाकर उन्होंने खुद को कवि और रामकथा वाचक के तौर पर स्थापित कर लिया। कायदा तो यही कहता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम की बात करने वाले व्यवहार और भाषा दोनों में मर्यादा का पालन करेंगे, लेकिन इन उदाहरणों में ऐसा कोई पालन होते दिख नहीं रहा है। भाषा की मर्यादा को पूरी तरह ताक पर रखने के इस दौर में जब जीतू पटवारी विनम्रता से कहते हैं कि जवाब देने में हिंसा का भाव नहीं आना चाहिए, तो ऐसी बातें आज की नफरत भरी राजनीति के दौर में अजीब लग सकती हैं। उस वक्त भी लगा करती थीं जब गांधीजी ने अहिंसा को हथियार बनाकर अंग्रेजों से लड़ाई लड़ने की शुरुआत की थी। लोगों को लगता था कि कोई हमें मारे तो हमें भी पलट कर मारना चाहिए, तभी अपमान का बदला लिया जा सकेगा। लेकिन गांधीजी ने बताया कि अगर आप पलट कर न मारें और हिंसा करने वाले को एहसास कराएं कि उसने गलत किया है, तो यह जवाब देने का सही तरीका होगा। गांधी के इस तरीके से आज भी बहुत से लोग असहमत ही हैं, लेकिन इसका बेहतर विकल्प भी कोई बता नहीं पाया है। क्योंकि नफरत के जवाब में नफरत से बात बिगड़ेगी ही। इतिहास गवाह है कि बड़े से बड़ा युद्ध भी आखिरकार तभी थमा जब एक पक्ष पूरी तरह नेस्तनाबूद हुआ या फिर आपसी वार्ता से रोका गया। वार्ता होती है तो समाधान के रास्ते खुले रहते हैं, जबकि एक पक्ष को पूरी तरह बर्बाद करने के बाद भी समस्या खत्म नहीं होती है। बहरहाल, आज गांधी के अहिंसा के दर्शन पर बात करने की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि पिछले कई सालों से हिंसा को सामान्य भाव की तरह लिया जाने लगा है। अपने सामने लोगों पर अत्याचार होते देखने के बावजूद उसे रोकने की पहल कम ही होती है, बल्कि कई बार तो पीड़ित के हक में खड़े होने की जगह उस घटना को कैमरे में कैद करने की हड़बड़ी दिखाई देती है। कमजोर, असहायों, शोषितों के लिए संवेदनाएं समाज में कम हो रही हैं। शारीरिक हिंसा के साथ–साथ शाब्दिक हिंसा भी बेलगाम बढ़ चुकी है। पहले घर, समाज और सार्वजनिक जीवन में लोग बातचीत में लहजे और शब्दों का लिहाज करते थे। हमउम्र लोग आपसी बेतकल्लुफी में अगर अपशब्द कहें तो उसमें भी इतनी सावधानी तो बरतते ही थे कि कोई बड़ा आसपास तो नहीं है।

चलो लगाएँ एक वृक्ष

पर्यावरण दिवस का दें, सबको पैगाम।
'चलो लगाएँ एक वृक्ष, हम माँ के नाम।'

स्वर्ण–रश्मियाँ बिखर रहीं, अंबर है लाल।
सूर्योदय की बेला में, हर्षित है ताल।।
सुंदर–मनहर लगे धरा, छाया आनंद।
खिलें ताल में कमल–पुष्प, बिखरे मकरंद।।

प्रकृति–सुंदरी की शोभा, है ललित–ललाम।
'चलो लगाएँ एक वृक्ष, हम माँ के नाम।।'

मधुर गीत गाते पंछी, भरकर अनुराग।
उड़े चतुर्दिक रंग भरा, होली का फाग।।
जीवन–सरिता में गूँजा, कल–कल का नाद।
बहे तरलता से निर्झर, कर दूर विषाद।।

ऊँची–ऊँची उठें लहर, मन में उद्दाम।
'चलो लगाएँ एक वृक्ष, हम माँ के नाम।।'

सजीं कतारें वृक्षों की, अद्भुत है रूप।
पर्वत–शृंगों पर छिटकी, हल्की–सी धूप।।
पहन केसरी जामा फिर, आया मधुमास।
रति–अनंग का मानस पर, चित्रित कर हास।।

मन–अमराई महक उठी, लख दृश्य तमाम।
'चलो लगाएँ एक वृक्ष, हम माँ के नाम।।'

प्राणवायु देते पौधे, सबको दिन–रात।
वृक्ष धरा के हैं भूषण, हम समझें बात।।
करना धरती माता का, सोलह शृंगार।
वृक्षारोपण करने का, हम करें विचार।।

अच्छे कर्मों का मिलता, अच्छा परिणाम।
'चलो लगाएँ एक वृक्ष, हम माँ के नाम।।'

–डॉ. नीलिमा मिश्रा 'नीलम'
प्रयागराज

बंगाल में भाजपा का महाराष्ट्र मॉडल

पश्चिम बंगाल की सियासत में घमासान खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। 4 मई को आए विधानसभा चुनाव के नतीजों ने जब बिसात पलट दी और ममता बनर्जी को हरा कर भाजपा पहली बार सत्ता में आई, तो उसके बाद कायदे से नयी सरकार की प्राथमिकताओं और घोषणापत्र पर अमल की शुरुआत पर चर्चा होनी चाहिए थी। भाजपा ने बार–बार बंगाल में सकारात्मक बदलाव लाने का दावा किया था, तो वह दावा सतह पर दिखना भी चाहिए थे। लेकिन इसकी जगह कभी राजनैतिक विरोधियों के साथ हिंसा, कभी मुसलमानों के लिए फरमान, कभी बुलडोजर कार्रवाई की खबरें आईं या फिर तृणमूल कांग्रेस किस तरह विरोध प्रदर्शन कर रही है, उसकी खबरें आईं। इस बीच अब एक और ऐसा घटनाक्रम चल रहा है, जो नया नहीं है, लेकिन चौंकाता जरूरी है कि आखिर कब तक सत्ता पर बने रहने के लिए यही दांव–पेंच एक राज्य से दूसरे राज्य में खेले जाते रहेंगे। दरअसल प.बंगाल में अब तक भाजपा बनाम टीएमसी की लड़ाई चल रही थी। लेकिन अब टीएमसी बनाम टीएमसी की लड़ाई छिड़ गई है। महज 80 सीटों पर सिमटने वाली टीएमसी अब दो फाड़ होने की कगार पर आ गई है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक खबर है कि विधानसभा अध्यक्ष स्थीन बोस को टीएमसी के 58 विधायकों के हस्ताक्षरों वाला एक पत्र सौंपा गया है, जिसमें नेता प्रतिपक्ष के तौर पर ऋतब्रत बंद्योपाध्याय के नाम का प्रस्ताव किया गया है। अध्यक्ष ने इस पत्र को स्वीकार कर लिया है। पाठक जानते हैं कि प.बंगाल विधानसभा में बीते दिनों जाली हस्ताक्षर कांड के आरोप टीएमसी पर लगे, जिसकी अब सीआईडी जांच हो रही है। खुद मुख्यमंत्री सुवेन्दु अधिकारी ने बताया था कि टीएमसी के दो विधायकों ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा ने शिकायत की थी कि विधानसभा में पार्टी विधायक दल का नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय को चुनने के लिए जो बैठक हुई थी उसमें पारित प्रस्ताव पर कथित तौर पर उन विधायकों के भी हस्ताक्षर थे जो उस बैठक में हाजिर ही नहीं थे। मुख्यमंत्री के इस बयान के 15 मिनट बाद ही दोनों विधायकों को पार्टी से बाहर करने का फैसला सुना दिया गया था। इसके एक दिन बाद ही तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता रहे रिजू दत्त ने पत्रकारों से बातचीत में दावा किया था कि उन लोगों के पास 50 विधायकों का समर्थन है और वही असली तृणमूल कांग्रेस हैं। बगावत की चिंगारी शांत करने के लिए ममता बनर्जी ने अपने घर पर बैठक बुलाई तो उसमें केवल 20 विधायक ही पहुंचे, जिसके बाद बैठक रद्द करनी पड़ी। अभी मंगलवार को ममता बनर्जी ने कोलकाता में राशोमनी एवेन्यू पर जो धरना–प्रदर्शन किया, उसमें भी भीड़ तो बहुत जुटी, लेकिन पार्टी के विधायक नदारद रहे, हालांकि अभिषेक बनर्जी, कल्याण बनर्जी जैसे कुछ दिग्गज पहुंचे हुए थे। ये सारा घटनाक्रम बता रहा है कि अब टीएमसी एकजुट नहीं है। टीएमसी के भीतर बगावत के सुर इतने तेज हो गए हैं कि सवाल उठने लगा है कि क्या ममता बनर्जी की टीएमसी भी उसी रास्ते पर जा रही है, जिस पर कभी बंगाल में कांग्रेस और लेफ्ट पार्टी गई थीं। गौरतलब है कि 1970 के दशक तक बंगाल में कांग्रेस का वर्चस्व था, लेकिन इंदिरा गांधी और सिद्धार्थ शंकर राय के बीच की खींचतान और बाद में कांग्रेसी नेताओं का बार–बार टूटकर तृणमूल या वाम दलों में जाना, पार्टी को हाशिए पर ले गया। फिर 2011 में 34 साल बाद सत्ता से बाहर हुए वाम मोर्चे से बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता टूटकर टीएमसी में चले गए। खुद ममता बनर्जी ने 1998 में कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस बनाई थी और अपनी आक्रामक छवि के सहारे सत्ता तक पहुंची थीं। अब टीएमसी में फूट बंगाल के इतिहास को दोहराते हुए ही नजर आ रही है। प्रत्यक्ष तौर पर तो टीएमसी का सत्ता से बाहर होना ही इस टूट का प्रमुख कारण दिख रहा है। लेकिन जानकार इसे भाजपा का महाराष्ट्र मॉडल पर चलना बता रहे हैं। शिवसेना में एकनाथ शिंदे के बूते कई विधायकों को साथ लेकर भाजपा ने नयी शिवसेना बनवाई और बाद में चुनाव आयोग ने शिवसेना का नाम और निशान भी शिंदे के ही सुपुर्द किया। उद्धव ठाकरे की सरकार एकनाथ शिंदे को साथ लेकर जिस तरह भाजपा ने गिराई थी, उसे सुप्रीम कोर्ट ने भी गलत माना था, लेकिन फिर भी शिंदे मुख्यमंत्री बने रहे और भाजपा सरकार का हिस्सा बनी रही। फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को साथ भी यही काम भाजपा ने किया। अजित पवार ने अलग एनसीपी बना ली और शरद पवार को ही बाहर किया गया। एनसीपी का नाम और निशान अजित पवार गुट को ही मिला। बिल्कुल इसी तर्ज पर अब टीएमसी और न्यू टीएमसी दो दल बनाए जा सकते हैं। देखना यही होगा कि क्या ममता बनर्जी के खाते में नाम और निशान आते हैं या नहीं। इस खेल में प्रत्यक्ष तौर पर भाजपा नहीं दिख रही है, लेकिन यह महज संयोग नहीं है कि उसके सत्ता में आते ही विपक्षी दल में फूट पड़ गई है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि बागी विधायक डर के मारे सीधे तौर पर भाजपा के सामने झुक रहे हैं। आज टीएमसी के जो चुने हुए प्रतिनिधि एक नई पार्टी बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन सभी पर किसी न किसी तरह के भ्रष्टाचार के आरोप हैं, क्योंकि भाजपा के पास पहले से ही ईडी और सीबीआई थीं। अब सीआईडी और बंगाल पुलिस भी उनके साथ हो गई हैं। टीएमसी के ये विधायक बस खुद को बचाना चाहते हैं। इन विधायकों को खुद को बचाने का एक रास्ता मिल जाएगा और भाजपा को सदन में बिना किसी रुकावट के कुछ भी करने की पूरी आजादी मिल जाएगी। अधीर रंजन चौधरी की तरह ही कई और जानकारों का मानना है कि भाजपा दबाव के लिए जांच एजेंसियों को आगे करती है और विरोधी दलों में ऐसे ही फूट पड़वाती है। हालांकि टीएमसी तोड़ने वाले विधायक भाजपा में सीधे तौर पर शामिल न होकर नयी पार्टी बना रहे हैं, तो उसके पीछे मुस्लिम वोट बैंक को साथ रखने की मंशा है। भाजपा जानती है कि अभी मुस्लिमों के वोट उसे नहीं मिलेंगे, इसलिए दूसरे तरीके से खेल किया जा रहा है। टीएमसी का नया धड़ा बनाए रखने की एक वजह यह भी है कि इससे कांग्रेस को बढ़त नहीं मिलेगी। अगर टीएमसी नहीं रही तो फिर मतदाताओं के सामने भाजपा या कांग्रेस किसी एक का विकल्प रहेगा। वैसे टीएमसी में टूट के फिलहाल दो बड़े असर दिखाई दे सकते हैं, पहला बंगाल में कमजोर विपक्ष के कारण भाजपा को मनमाने फैसलों की छूट मिलेगी, दूसरा, आठ जून को प्रस्तावित इंडिया गठबंधन की बैठक पर इसका असर पड़ेगा। क्योंकि ममता बनर्जी ने विपक्ष को मजबूत कर भाजपा को खत्म करने की चुनौती दी थी। ममता अब भी यही कह रही हैं कि भाजपा को हराए बिना वो मरेंगी नहीं।

क्या रहने लायक बचे हैं, हमारे शहर?

सुदर्शन सोलंकी

बैश्विक तापमान में वृद्धि अब केवल बर्फीले ग्लेशियरों के पिघलने या समुद्र का जलस्तर बढ़ने तक सीमित नहीं रह गई है। इसका सबसे भयावह और सीधा रूप हमारे उन आधुनिक शहरों में देखने को मिल रहा है, जिन्हें हम कभी विकास का प्रतीक मानते थे। मई–जून की शुरुआत होते ही देश के कई महानगरों में पारा 45 डिग्री सेल्सियस से 48 डिग्री सेल्सियस को छूने लगता है। कांक्रीट के इन फैलते जंगलों में अब गर्मी का मौसम सिर्फ एक ऋतु नहीं, बल्कि एक वार्षिक आपदा बन चुका है। वैज्ञानिक भाषा में इस संकट को अर्बन हीट आइलैंड इफेक्ट (यूएचआई) कहा जाता है, जो हमारे दोषपूर्ण शहरी नियोजन की देन है। अर्बन हीट आइलैंड शहरों का भट्टी में बदलना–भौतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से देखें तो आधुनिक शहर अपने आसपास के ग्रामीण इलाकों की तुलना में औसतन 3एष्ट से 7एष्ट तक अधिक गर्म रिकॉर्ड किए जा रहे हैं। इसका मुख्य कारण शहरों का श्थर्मल मॉसश है। आधुनिक इमारतों में प्रयुक्त होने वाला कांक्रीट, कंकड़–पत्थर, डामर (तारकोल) की सड़कें और कांच दिनभर सूर्य की ऊष्मा को सोखते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रात के समय खुली मिट्टी और पेड़–पौधों के कारण गर्मी तेजी से वायुमंडल में वापस लौट जाती है। इसके विपरीत, शहरों में बहुमंजिला इमारतें और घने कांक्रीट के ढांचे इस गर्मी को रात में भी जकड़े रखते हैं। परिणामस्वरूप, रातें भी उतनी ही दमघोंटू और उमस भरी हो जाती हैं, जिससे मानव शरीर को गर्मी से उबरने का समय नहीं मिल पाता।

सामाजिक–आर्थिक असमानता और थर्मल जस्टिस का संकट–यह थर्मल संकट केवल मौसम का मिजाज नहीं है, बल्कि एक गहरा सामाजिक और आर्थिक विभाजन भी पैदा कर रहा है। वातानुकूलित (एसी) घरों, दफ्तरों और कारों में रहने वाले संभ्रांत वर्ग के लिए गर्मी केवल बिजली के बढ़ते बिल तक सीमित है, लेकिन भारत जैसे देश में, जहां एक बहुत बड़ी आबादी आउटडोर इकानॉमी का हिस्सा है, वहां यह जानलेवा साबित हो रही है। निर्माण कार्यों में लगे श्रमिक, खेतिहर मजदूर, रेहड़ी–पटरी वाले और गिग इकॉनॉमी के डिलीवरी बॉय इस खौलती धूप में काम करने को मजबूर हैं। अत्यधिक गर्मी के कारण दोपहर के समय काम ठप हो जाता है, जिससे उनकी दिहाड़ी और दैनिक आय में भारी गिरावट आती है। झुग्गी–झोपड़ियों और कच्ची बस्तियों में रहने वाले लोग, जहां वेंटिलेशन न के बराबर है और छतें टिन या एस्बेस्टस की हैं, वे सीधे तौर पर हीट स्ट्रोक और गंभीर डिहाइड्रेशन के शिकार हो रहे हैं। यह स्थिति समाज में थर्मल इनजस्टिस यानी तापीय अन्याय को दर्शाती है। भारत सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर हीट एक्शन प्लान (एचएपी) की रूपरेखा तो तैयार की है और कागजों पर कई शहरों में इसे लागू करने का दावा भी किया जाता है, लेकिन इसकी व्यावहारिक प्रभावशीलता पर बड़े सवालिया निशान हैं। देश के अधिकांश हिस्सों में यह प्लान केवल प्रशासनिक औपचारिकताओं तक सीमित दिखाई देते हैं। संकट आने पर केवल एडवाइजरी जारी कर देना या ओआरएस (ओआरएस) के पैकेट बांट देना इस ढांचागत समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। जब तक हीट एक्शन प्लान को शहरी विकास मास्टर प्लान के साथ अनिवार्य रूप से एकीकृत नहीं किया जाएगा, तब तक कोई बड़ा बदलाव संभव नहीं है। समाधान का भावी मार्ग रू क्लाइमेट स्मार्ट शहरों का निर्माण–अगर हमें अपने शहरों को भविष्य में रहने योग्य बनाए रखना है, तो पारंपरिक निर्माण और शहरी नियोजन के ढर्रे को पूरी तरह से ब्लू–ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर में बदलना होगा। शहरों में कांक्रीट के विस्तार को रोकने के लिए अर्बन फॉरेस्ट (जैसे मियावाकी पद्धति से जंगल उगाना) और वेटलैंड्स (तालाबों और झीलों) का पुनरुद्धार करना होगा। पेड़ न केवल छाया देते हैं, बल्कि वाष्पोत्सर्जन के जरिए स्थानीय तापमान को 2 से 3 डिग्री तक कम कर सकते हैं। पैसिव कूलिंग और आर्किटेक्चरल बदलाव को बढ़ाना होगा। नए नीतिगत नियमों के तहत प्राकृतिक वेंटिलेशन को बढ़ावा देना चाहिए। इमारतों की छतों पर सफेद उच्च–परावर्तक पेंट (शीतल छत) और ग्रीन रूफ्स (छतों पर बागवानी) को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जो श्सौर विकिरणश को वापस अंतरिक्ष में परावर्तित कर देते हैं। श्रम नीतियों में सुधार भी जरूरी है। अत्यधिक गर्मी के दिनों में श्रम कानूनों में लचीलापन लाते हुए श्स्प्लिट शिफ्टश (सुबह जल्दी और शाम को देर से काम) की व्यवस्था की जाए और सार्वजनिक स्थानों पर छायादार आश्रय स्थल व शीतल पेयजल की चौबीसों घंटे उपलब्धता सुनिश्चित हो। नदियों को सुखाकर, पेड़ों को काटकर और तालाबों को पाटकर खड़े किए गए कांक्रीट के आलीशान शहर दरअसल एक ऐसा थर्मल ट्रैप (तापीय जाल) बन चुके हैं, जिसमें हम खुद ही फंसते जा रहे हैं। अब समय केवल मौसम की भविष्यवाणियों को पढ़ने का नहीं, बल्कि अपने शहरों के भूगोल को बदलने का है। यदि आज हमने शहरी नियोजन में प्रकृति को वापस जगह नहीं दी, तो आने वाले समय में हमारे शहर आर्थिक महाशक्ति बनने से पहले ही तापमान के मरुस्थल बन जाएंगे।

दिल को छूती है, सवाल भी उठाती है, पर क्या वो ही गर्माहट बरकरार रख पाई रिश्तों की ये 'गुल्लक'?

पिछले सात साल से मिश्रा परिवार हम सबके बीच का हिस्सा बना हुआ है। यही कारण है कि साल 2019 में आए 'गुल्लक' के पहले सीजन से ही लोग इसके फैन हैं और इसके हर सीजन का इंतजार करते हैं। अब सात साल में 'गुल्लक' का पांचवां सीजन आया है। हर बार की तरह इस बार भी दर्शक संतोष मिश्रा के परिवार के नए अपडेट के बारे में जानने को उसी तरह उत्सुक हैं, जैसे हम अपने किसी पड़ोसी के बारे में जानने के लिए बेताब रहते हैं। तो आइए सीरीज देखने से पहले पढ़िए ये रिव्यू और जानिए क्या इस बार भी रिश्तों की इस गुल्लक में उतनी ही गर्माहट है या नहीं? इस बार कहानी शुरू होती है संतोष मिश्रा (जमील खान) के घर की पुताई से। हालांकि, पुताई जरूर होती है, लेकिन घर का रंग नहीं बदलता इसलिए घरवालों समेत अधिकतर लोगों को ये लगता ही नहीं है कि पुताई हो चुकी है। घर में वाई–फाई लग गया है, जो ये दिखाता है कि मिश्रा परिवार अब धीरे–धीरे ही सही, लेकिन समय के साथ कदमताल करना शुरू कर चुका है। संतोष मिश्रा सरकारी योजना से अपना खुद का नया घर भी लेने के जुगाड़ में लगे हैं। अन्नू (अनंत जोशी) अब और अधिक जिम्मेदार बनना चाहते हैं और नौकरी में प्रमोशन के जद्दोजेहद में लगे हैं। इसी के साथ डॉ. प्रीति (हेली शाह) से उनका प्यार भी धीरे–धीरे और बढ़ता जा रहा है। अमन (हर्ष मयार) अब स्कूल छोड़ कॉलेज में आ गया है और घर से बाहर दूसरे शहर में रहने लगा है। लेकिन वो कुछ ऐसा भी करता है जिसके बारे में न तो घर वालों को पता है और न ही हम आपको रिव्यू में बता सकते हैं। हालांकि, अगर कुछ नहीं बदला तो शांति (गीतांजलि कुलकर्णी) वो अभी भी घर की देखरेख और संतोष मिश्रा व बच्चों को संभालने में ही लगी हैं। हां इस बार, बिट्टू की मम्मी, माफ कीजिएगा शालिनी (सुनीता राजवार) एक ब्लॉगर बन गई हैं और वो सखी शालिनी महिला ग्रुप की चेयरपर्सन भी बन गई हैं। हालांकि, मिश्रा परिवार उनके साथ–साथ अब उनके इस महिला ग्रुप से भी परेशान है। साथ ही इस बार कहानी में कुछ राज भी हैं, जो खुलते हैं। विलेन का एंगल भी है, लव स्टोरी भी और छोटे–छोटे मगर गहरे सोशल कमेंट तो काफी हैं, जो इस सीरीज को सिर्फ मजाकिया या घरेलू ही नहीं बल्कि जागरुक और जरूरी भी बनाते हैं। किसी भी शो को पांच सीजन तक उतना ही मनोरंजक और इंगेजिंग बनाए रखना, जितना पहले सीजन में था, काफी मुश्किल होता है। लेकिन बेशक, गुल्लक ऐसा करती है और आपको सातों एपिसोड तक जोड़े रखती है। हालांकि, इस बार कहीं–कहीं पर ऐसा महसूस होता है कि पिछले चार सीजन के मुकाबले ये थोड़ा और बेहतर हो सकता था। कहीं–कहीं पांचवां सीजन चूकता है।

> साथ ही इस बार कहानी में कुछ राज भी हैं, जो खुलते हैं। विलेन का एंगल भी है, लव स्टोरी भी और छोटे-छोटे मगर गहरे सोशल कमेंट तो काफी हैं, जो इस सीरीज को सिर्फ मजाकिया या घरेलू ही नहीं बल्कि जागरुक और जरूरी भी बनाते हैं।

हालाक, य एसा नहा ह क आप इस दख न सक। गुल्लक न इस बार भी वो फ्लेवर बनाए रखा है कि अगर एक बार देखने बैठेंगे तो सातों एपिसोड निपटाकर ही उठेंगे। हां, सीरीज में घुसेड़ा गया एक विलेन वाला एंगल जबरन ठुंसा हुआ लगता है, जिससे सीरीज थोड़ी खिंचती है। वहीं अन्नू मिश्रा की लव स्टोरी को भी ढंग से नहीं दिखाया गया है, वो सिर्फ छूकर निकलती है। कहीं न कहीं इसमें 'पंचायत' के सचिव जी और रिंकी की लव स्टोरी की झलक दिखती है। पांचवें सीजन में मेकर्स ने कॉमेडी पर कम इमोशंस पर ज्यादा ध्यान देने की कोशिश की है, इसलिए कई बार ये इमोशंस जबरन और ठूंसे हुए लगते हैं। जो सबसे ज्यादा खलता है वो है मिश्रा परिवार की साथ बैठकर की जाने वाली गप्पें और वो नोकझोंक, क्योंकि इस बार किरदारों के अलग–अलग संघर्ष ज्यादा दिखाए गए हैं।

कैलाश खेर ने उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में किए दर्शन, भस्म आरती में लिया हिस्सा

मशहूर गायक कैलाश खेर शुक्रवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन पहुंचे। उन्होंने वहां प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में भगवान शिव के दर्शन किए। उन्होंने सुबह होने वाली खास भस्म आरती में भी हिस्सा लिया। कैलाश खेर ने इस खूबसूरत यात्रा का एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी शेयर किया है। मंदिर से सामने आए वीडियो में कैलाश खेर भगवान महाकाल की भक्ति में डूबे और वहां के आध्यात्मिक माहौल का आनंद लेते हुए नजर आए। दर्शन के बाद मीडिया एअनआई से बात करते हुए कैलाश खेर भावुक हो गए और उन्होंने भगवान शिव के लिए एक खूबसूरत गाना भी गाया। उन्होंने कहा, श्मैं जब भी यहां आता हूं, मुझे ऐसा लगता है जैसे खुद महादेव ने मुझे बुलाया है। मुझे लगता है कि वे मुझे दुनिया भर में घूमते हुए देखते हैं और फिर अपने पास बुला लेते हैं। इस जगह में एक अलग ही जादुई बात है। मैं हमारी भारतीय संस्कृति और परंपरा को प्रणाम करता हूं। उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर देश के सबसे मुख्य शिव मंदिरों (ज्योतिर्लिंगों) में से एक है। यहां हर साल आम लोगों से लेकर बड़ी–बड़ी मशहूर हस्तियां भगवान का आशीर्वाद लेने आती हैं। भस्म आरती इस मंदिर की सबसे मुख्य और पवित्र परंपरा है। यह रोज सुबह 3:30 बजे से 5:30 बजे के बीच ब्रह्म मुहूर्त में होती है, जिसे देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ती है। इस आरती की शुरुआत सुबह मंदिर के कपाट खुलने के साथ होती है। सबसे पहले भगवान शिव को दूध, दही, घी, चीनी और शहद यानी पंचामृत से नहलाया जाता है। इसके बाद उन्हें भांग और चंदन का लेप लगाकर सजाया जाता है। आखिर में ढोल–नगाड़ों और शंख की गूंज के बीच बाबा महाकाल की भस्म आरती की जाती है, जिससे पूरा मंदिर भक्तिमय हो जाता है।

एशा देओल ने फिर की भाई बॉबी देओल की तारीफ

बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल की नई फिल्म बंदर आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म के रिलीज होने से ठीक एक दिन पहले मुंबई में इसकी एक खास स्क्रीनिंग रखी गई थी। इस शो में बॉबी देओल की बहन और अभिनेत्री एशा देओल भी शामिल हुईं। एशा ने बॉबी के अभिनय की जमकर तारीफ की है।बंदर मूवी देखने के बाद एशा देओल ने इंस्टाग्राम पर बॉबी देओल के काम की जमकर तारीफ की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर बॉबी और उनकी पत्नी तान्या देओल के साथ एक फोटो शेयर की और लिखा, आप अपने सबसे बेहतरीन रूप में हैं, बिना किसी शक के आप आज के सबसे शानदार अभिनेता हैं। शाबाश भैया। इसके साथ ही एशा ने फैंस से अपील की कि वे सिनेमाघरों में जाकर इस फिल्म को जरूर देखें। बाद में बॉबी देओल ने भी इस पोस्ट को अपने अकाउंट पर शेयर करके बहन को धन्यवाद दिया। बंदर को लेकर बॉबी देओल ने कहा, हम सब ऐसे रोल करने का सपना देखते हैं, जो हमारी एक्टिंग की ताकत को दिखा सकें, लेकिन ऐसे मौके बार–बार नहीं मिलते। मुझे खुशी है कि मुझे यह मौका मिला। फिल्म बंदर को मशहूर निर्देशक अनुराग कश्यप ने बनाया है। बॉबी और अनुराग ने पहली बार किसी फिल्म में साथ काम किया है। श्बंदरश एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जो सच्ची घटनाओं पर आधारित है। फिल्म की कहानी एक ढलती उम्र के टीवी स्टार के इर्द–गिर्द घूमती है, जिस पर उसकी पुरानी प्रेमिका बलात्कार का आरोप लगाती है। फिल्म बंदर में बॉबी देओल के साथ सान्या मल्होत्रा, सपना पब्बी और सबा आजाद जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म पिछले साल टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भी दिखाई जा चुकी है और अब सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद क्रिटिक्स बॉबी देओल के अभिनय की जमकर तारीफ कर रहे हैं। बंदर के बाद बॉबी देओल जल्द ही यश राज फिल्म्स की बड़ी एक्शन फिल्म अल्फा में नजर आएंगे। यह वाईआरएफ के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें इससे पहले था टाइगर, वॉर और पठान जैसी फिल्में बन चुकी हैं। इस फिल्म में बॉबी के साथ आलिया भट्ट, शरवरी और अनिल कपूर भी दिखाई देंगे और यह फिल्म 3 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

क्या वरुण की कॉमेडी फिल्म में दिखा नयापन? जानें फैंस की प्रतिक्रिया

डेविड धवन रोमांटिक–कॉमेडी फिल्में बनाने के लिए मशहूर रहे हैं। उनकी ऐसी फिल्मों ने 90 के दशकों का खूब मनोरंजन किया है। इसी अंदाज के साथ उन्होंने बेटे वरुण धवन को लेकर फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' बनाई। फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' को लेकर एक यूजर्स ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'यह एक आम रोमांटिक–कॉमेडी फिल्म है, ऐसी फिल्में हमने पहले भी कई बार देखी हैं। इसकी कहानी इंटरवल के बाद शुरू होती है, लेकिन अब तक इसमें नयापन और मौलिकता की कमी खलती रहती है।' एक अन्य यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'इस फिल्म का आइडिया 1984 की फिल्म मिकी एंड मॉड से लिया गया है। वरुण धवन ने अपना किरदार बहुत जबरदस्त एनर्जी के साथ निभाया है। वरुण धवन, पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर की फिल्म थिएटर में जोरदार हंसी और पुरानी यादों का अहसास कराती है। फिल्म की कहानी वेडिंग फोटोग्राफर जस्स (वरुण धवन) की है, जिसकी पत्नी बानी (मृणाल ठाकुर) उससे इसलिए तलाक लेना चाहती है क्योंकि वो बच्चा चाहता है। बानी इसके लिए तैयार नहीं है। बानी अलग होते वक्त जस्स से मूव ऑन करने के लिए कहती है। फिर जस्स की जिंदगी में प्रीत (पूजा हेगड़े) आती है। कुछ महीनों बाद बानी को पता चलता है कि वो प्रेग्नेंट है तो वो जस्स के पास लौट आती है। दूसरी तरफ प्रीत भी प्रेग्नेंट हो जाती है। यही सिचुएशन पूरी फिल्म में कॉमेडी का माहौल बनाने की कोशिश करती है।

किसकी मौत से टूट गई थीं दीपिका पादुकोण? फिर मेंटल हेल्थ पर बात करने का लिया फैसला, पिता ने किया सपोर्ट

दीपिका पादुकोण डिप्रेशन जैसी मानसिक समस्या को लेकर बहुत गंभीर हैं। वह लोगों को मेंटल हेल्थ पर बात करने के लिए मोटिवेट करती हैं। खुद भी एक लंबा वक्त उन्होंने डिप्रेशन से जूझते हुए गुजारा है। एक हालिया इंटरव्यू में दीपिका पादुकोण के पिता ने भी एक्ट्रेस की मेंटल हेल्थ की समस्या पर बात की। साथ ही एक्ट्रेस की उस पहल को सराहा, जिसके जरिए वह डिप्रेशन को लेकर अवेयरनेस फैला रही हैं। रोड्रिगो कैनेलास के शो द समथिंग बिगर शो में दीपिका पादुकोण के पिता प्रकाश पादुकोण ने दीपिका की मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम का जिक्र किया। वह बताते हैं कि जब बेटी ने अपनी मेंटल हेल्थ से जुड़ी मुश्किलों के बारे में सबके सामने बात करने का फैसला किया, तो उन्होंने और पत्नी उज्जला पादुकोण ने दीपिका को पूरा सपोर्ट किया। प्रकाश पादुकोण कहते हैं, 'अगर इससे दूसरों की मदद हो रही थी, तो हमें इस बात को लेकर कोई दिक्कत नहीं थी, क्योंकि दीपिका ऐसी स्थिति में थी कि लोगों की मदद कर सकती थी। मुझे लगता है कि उन्हें यह बात समझ आ गई थी, इसलिए वह आगे आईं और इस बारे (डिप्रेशन) में बात की।' प्रकाश पादुकोण ने यह भी बताया कि दीपिका ने डिप्रेशन पर बात करने का फैसला अपनी एक दोस्त की मौत के बाद लिया। वह इंटरव्यू में कहते हैं, 'दीपिका की एक दोस्त की मौत हुई और तभी बेटी ने तय किया कि कुछ ऐसा किया जाना चाहिए जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग मेंटल हेल्थ को लेकर जागरूक हों। तभी दीपिका ने अपनी फाउंडेशन के बारे में सोचना शुरू किया।' बता दें कि दीपिका मेंटल हेल्थ को लेकर अवेयरनेस फैलाती हैं, इसके लिए उन्होंने अपनी एक फाउंडेशन बनाई है।

घर पर झटपट बनाएं मूंगफली की चटनी, खाने में आ जाएगा मजा

खाने के साथ अगर चटनी परोस दी जाए तो सादे भोजन का स्वाद भी कई गुना बढ़ जाता है। ऐसे में आज हम आपको मूंगफली की चटनी की रेसिपी बताएंगे। बता दें कि मूंगफली में प्रटीन होता है इसे बनाकर आप फ्रिज में स्टोर करके भी रख सकते है। तो चलिए जानते है इसे बनाने के बारे में।

सामग्री

मूंगफली– 2 कप
हरी मिर्च– 2
राई– 1 चौथाई चम्मच
लाल मिर्च– 1 चुटकी
नमक – स्वादानुसार
तेल – 1 चम्मच
नींबू का रस – 1 चम्मच
करी पत्ता – 1 चम्मच

बनाने की विधि

1 सबसे पहले एक कड़ाही मध्यम आंच पर चढ़ाएं।

2 फिर मूंगफली को बिना तेल के थोड़ी देर के लिए कड़ाही में भून लें।

3 जब मूंगफली भुन जाए तो उसे एक बर्तन में निकाल लें।

4 मूंगफली के ठंडा हो जाने के बाद उसके छिलके को हाथ से मसलकर अलग कर लें।

6 फिर मिक्सी में मूंगफली, आवश्यकतानुसार पानी, हरी मिर्च व स्वादानुसार नमक डालकर पीस लें।

7 इसके बाद फिर कड़ाही में छौंक के लिए तेल, राई और करी पत्ता डालकर गर्म करें।

8 जब राई और करी पत्ता चटकने लगे, तो उसे मूंगफली के मिश्रण में डालकर छौंक लगा दें।

9 लीजिए तैयार है आपकी मूंगफली की चटनी।

बाजार जाने की अब नहीं पड़ेगी जरूरत, इस ट्रिक की मदद से घर पर बनाएं शुद्ध देसी घी

भारतीय रसोई घर में अक्सर ज्यादातर पकवानों में देसी घी का इस्तेमाल होता है। इसे सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। लेकिन यह घर पर तैयार किया गया घी हो तो। क्योंकि घर के घी में किसी भी तरह की कोई मिलावट नहीं होती है। मगर काफी लोगों की यह शिकायत रहती है कि वह घर पर मार्केट जैसा दानेदार घी नहीं बना पाते हैं। अगर आपकी भी यह शिकायत है तो परेशान न हों। आज हम आपको ऐसे आसान से ट्रिक्स बताएंगे, जिससे आप घर पर आसान से दानेदार घी बना सकते हैं। तो चलिए जानते है उसके बारे में।

मलाई को इकट्ठा करें

मलाई से घी बनाने के लिए आपको कम से कम 15 या 20 दिन की मलाई को इकठ्ठा करना पड़ेगा और इसे फ्रीजर में स्टोर करना होगा। बता दें कि मलाई फ्रीजर में स्टोर करने से घी में जलने की स्मैल नहीं आती। इस बात का ध्यान रखे कि अगर मलाई फुल क्रीम दूध की है तो घी ज्यादा मात्रा में निकलेगा।

मक्खन को करें अलग

घी बनाने के लिए सबसे पहले मलाई को फ्रिज से निकाल कर आधे घंटे के लिए नार्मल टेम्प्रेचर पर रखें। इसके बाद इसे मिक्सर जार में डालकर ब्लेंड कर लें। जब पानी और मक्खन अलग हो जाएं तो मक्खन को निकालकर एक बर्तन में एकत्र कर लें।

इस तरीके से बनाएं घी

घी को तैयार करने के लिए कढ़ाही को चूल्हे पर रख कर गैस को ऑन करें। इसके बाद उस मक्खन को कढ़ाही में डाल दें और करछुल की मदद से लगातार चलाते रहें। थोड़ी देर में आप देखेंगे कि मक्खन पिघलने लगेगा और घी निकलने लगेगा। घी पूरी तरह से निकल जाए तो गैस बंद कर दें। इसके बाद जब आपको लगे घी ठंडा हो गया है तो उसे छानकर कंटेनर में स्टोर कर दें।

लिवर की सूजन कम करने के लिए खाएं ये 6 सुपरफूड

आजकल गलत खानपान, बाहर का जंक फूड और अनियमित लाइफस्टाइल का असर सबसे पहले हमारे लिवर पर ही दिखाई देता है। धीरे–धीरे लिवर में फैट जमने लगता है और सूजन जैसी समस्याएं भी शुरू हो सकती हैं जिन्हें शुरुआत में लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन कुछ आसान और नेचुरल फूड्स को अपनी डाइट में शामिल करके लिवर की सेहत को काफी हद तक बेहतर रखा जा सकता है। ये फूड्स न सिर्फ लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करते हैं बल्कि उसकी कार्यक्षमता को भी मजबूत बनाते हैं। आइए जानते हैं ऐसे 6 सुपरफूड्स के बारे में जो लिवर की सूजन कम करने में मददगार माने जाते हैं।

हरी सब्जियां लिवर के लिए बेहद फायदेमंद

हरी पत्तेदार सब्जियां लिवर को डिटॉक्स करने में अहम भूमिका निभाती हैं। पालक, पुदीना और ब्रोकली जैसी सब्जियां शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालने में मदद करती हैं। इन्हें नियमित डाइट में शामिल करने से लिवर की कार्यक्षमता बेहतर बनी रहती है और सूजन कम करने में भी सहायता मिल सकती है।

चुकंदर बढ़ाता है लिवर की सेहत

चुकंदर को लिवर के लिए एक नेचुरल क्लीनर माना जाता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और पोषक तत्व लिवर को डैमेज से बचाने में मदद करते हैं। इसे कच्चा सलाद के रूप में या जूस बनाकर सेवन किया जा सकता है। सप्ताह में दो से तीन बार इसका सेवन फायदेमंद माना जाता है।

हल्दी में मौजूद करक्यूमिन करता है सूजन कम

हल्दी में पाया जाने वाला करक्यूमिन एक शक्तिशाली एंटी–इंफ्लेमेटरी तत्व है। यह लिवर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाने और सूजन को कम करने में मदद करता है। दूध या खाने में हल्दी का नियमित उपयोग लिवर हेल्थ के लिए अच्छा माना जाता है।

लहसुन करता है शरीर की सफाई में मदद

लहसुन में मौजूद सल्फर यौगिक शरीर के डिटॉक्स सिस्टम को सक्रिय करने में मदद करते हैं। यह लिवर को साफ रखने और हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने में सहायक माना जाता है। हालांकि, इसका सेवन संतुलित मात्रा में और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह से करना बेहतर होता है।

जैतून का तेल (ऑलिव ऑयल)

जैतून का तेल लिवर के लिए एक हेल्दी फैट का अच्छा स्रोत माना जाता है। यह शरीर में खराब वसा को कम करने और लिवर को फैटी होने से बचाने में मदद कर सकता है। खाना पकाने में इसका सीमित उपयोग लिवर हेल्थ के लिए फायदेमंद हो सकता है।

किन चीजों से दूरी रखना जरूरी है

लिवर को स्वस्थ रखने के लिए सिर्फ अच्छे फूड्स ही नहीं, बल्कि गलत खानपान से बचना भी जरूरी है। तली–भुनी चीजें, ज्यादा मीठा और जंक फूड लिवर पर दबाव बढ़ा सकते हैं। इनसे दूरी बनाकर और संतुलित आहार अपनाकर लिवर की सेहत को बेहतर रखा जा सकता है।

फर्श पर नंगे पैर चलना सेहत के लिए अच्छा है! एक्सपर्ट ने बताया

सुबह की सैर में घास और मिट्टी पर नंगे पैर चलने को तो अक्सर एक नेचुरल थेरेपी माना जाता है, लेकिन जब बात घर के अंदर फर्श की आती है, तो राय थोड़ी अलग हो जाती है। कुछ लोग इसे पूरी तरह सेफ मानते हैं तो कुछ इसे संक्रमण और समस्याओं की वजह भी बताते हैं। आखिर एक्सपर्ट्स इस बारे में क्या कहते हैं, और हमें घर में चप्पल पहननी चाहिए या नंगे पैर ही रहना चाहिए जानिए इस आर्टिकल में...

नंगे पैर चलना क्यों माना जाता है फायदेमंद

विशेषज्ञों के मुताबिक नंगे पैर चलने से पैरों की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं और शरीर का संतुलन बेहतर होता है। जब व्यक्ति जमीन के सीधे संपर्क में आता है तो पैरों पर प्राकृतिक दबाव बनता है, जिससे ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर माना जाता है।

घास और मिट्टी पर चलने के फायदे

घास या मिट्टी पर नंगे पैर चलने से शरीर को कई तरह के फायदे मिल सकते हैं। इससे पैरों की छोटी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर का पोस्चर भी सुधरता है। कई लोग इसे मानसिक सुकून देने वाला अनुभव भी मानते हैं, क्योंकि यह शरीर को प्रकृति से जोड़ता है। डॉक्टरों के अनुसार हर जगह नंगे पैर चलना जरूरी नहीं है। घर के फर्श पर अगर साफ–सफाई पूरी तरह बनी रहती है तो कभी–कभी नंगे पैर चलना ठीक हो सकता है। लेकिन जहां बाहर से आने–जाने की ज्यादा आवाजाही होती है, वहां फर्श पर गंदगी और बैक्टीरिया जमा होने का खतरा रहता है।

घर में चप्पल पहनना कब जरूरी है

अगर घर में नियमित रूप से सफाई नहीं होती या बाहर की धूल–मिट्टी अंदर आती रहती है, तो नंगे पैर चलने से बचना चाहिए। ऐसे में हल्की और साफ चप्पल पहनकर चलना ज्यादा सुरक्षित माना जाता है, ताकि संक्रमण या एलर्जी जैसी समस्याओं से बचा जा सके।

किन लोगों को नंगे पैर चलने से बचना चाहिए

कुछ लोगों के लिए नंगे पैर चलना नुकसानदायक हो सकता है। डायबिटीज के मरीज, बुजुर्ग, या जिन लोगों को एड़ी और पैरों में दर्द की समस्या रहती है, उन्हें विशेष सावधानी रखनी चाहिए। ऐसे लोगों के लिए नंगे पैर चलना चोट या इंफेक्शन का कारण बन सकता है।

विशेषज्ञ की सलाह

विशेषज्ञों का कहना है कि नंगे पैर चलना पूरी तरह गलत नहीं है, लेकिन इसे सही जगह और सही परिस्थिति में ही करना चाहिए। घास और मिट्टी पर यह फायदेमंद हो सकता है, जबकि घर के फर्श पर साफ–सफाई और स्वास्थ्य स्थिति को देखकर ही फैसला लेना चाहिए। नंगे पैर चलना शरीर के लिए फायदेमंद हो सकता है, लेकिन यह हर जगह सुरक्षित नहीं है। घास और मिट्टी पर यह प्राकृतिक लाभ देता है, जबकि घर में इसकी जरूरत स्थिति पर निर्भर करता है।

रिजॉर्ट बुक करते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां, ऐसे करें पैसों की बचत

अगर आप भी अपने परिवार के साथ गर्मी की छुट्टियों में वेकेशन पर जाने का प्लान कर रही हैं। तो आपको वेकेशन पर जाने से पहले ही रिजॉर्ट की बुकिंग कर लेनी चाहिए। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए बजट में रिजॉर्ट बुक करने के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि रिजॉर्ट के रूम का बिल कभी भी फिक्स नहीं होता है। ऐसे में आपका टोटल बिल कितना बनेगा। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप वहां पर कितने दिन स्टे करती हैं। अगर आप एक ही रिजॉर्ट में ज्यादा समय रहती हैं तो आपको वहां अच्छा डिस्काउंट मिलने की उम्मीद होती है। ऐसे में वेकेशन पर भी आप पैसे की बचत कर सकती हैं।

ऐसे ढूंढें बेस्ट ऑफर

सही डील करने के लिए आपको सबसे बेस्ट ऑफर देखना चाहिए। इसके लिए आप मल्टीपल वेबसाइट की सहायता ले सकती हैं। यदि आपके दिमाग में पहले से किसी रिजॉर्ट का नाम है तो उसको सर्च कर उसका रेट पता कर सकती हैं। मल्टीपल वेबसाइट में आपको जिस भी साइट पर रिजॉर्ट के कम रेट दिखें। उस रिजॉर्ट में आप रूम की बुगिंक कर सकती हैं।

डिस्काउंट

यह जरूरी नहीं है कि होटल वाला आपको खुद सामने से डिस्काउंट दें। ऐसे में आप खुद उससे डिस्काउंट की बात कर सकती हैं। वहीम अगर आप पूरे परिवार के साथ वेकेशन प्लान कर रही हैं तो आप पूरे बिल पर कुछ परसेंट ऑफर दिए जाने के लिए बोल सकती हैं। इसके अलावा खुद रिजॉर्ट के मेनेजर से डिस्काउंट भी मांग कर सकती हैं।

पहले करें बुकिंग

ट्रिप प्लान करते समय ही आपको रिजॉर्ट बुक कर देना चाहिए। इससे आप काफी पैसे सेफ कर सकती हैं। क्योंकि रिजॉर्ट आदि के प्राइज फिक्स नहीं होते हैं। यह दाम कभी भी बढ़ व घट सकते हैं। ऐसे में सेम डे बुकिंग करने पर आपके ज्यादा पैसे खर्च हो सकते हैं। इसलिए अगर आप पहले से बुकिंग करती हैं। तो आपके पैसों की भी बचत होती है।

संक्षिप्त

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए किसे मिलेगा मौका? कोच गंभीर ने किया स्पष्ट, पंत को लेकर भी रखी राय

मुल्लांपुर,एजेंसी। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने शुक्रवार को कहा कि साई सुदर्शन को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए ज्यादा मौके नहीं मिले हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से शुरू हो रहे एकमात्र टेस्ट से पहले गंभीर ने संकेत दिए कि तीसरे नंबर पर देवदत्त पडिक्कल की जगह साई सुदर्शन को मौका मिल सकता है। गंभीर ने यह भी कहा कि टीम अगस्त में श्रीलंका दौरे के लिए चार स्पिनरों को तैयार करेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच यह टेस्ट मैच मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा नहीं है, लेकिन यह आगामी सीरीज को देखते हुए टीम संयोजन तैयार करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। मैच से पहले गंभीर ने कहा, साई सुदर्शन को उचित मौका नहीं मिला है। उन्होंने अधिकतर मैच इंग्लैंड में खेले और मुझे लगता है कि उन्हें उचित मौका मिलना चाहिए। हम केवल 11 खिलाड़ियों का चयन कर सकते हैं और साई खराब फॉर्म में नहीं हैं। उन्होंने आईपीएल में 700 से अधिक रन बनाए हैं। अगर हम साई का आकलन चार पांच मैचों के आधार पर करेंगे तो फिर कोई ठोस राय नहीं बना पाएंगे। मानव सुथार और हर्ष दुबे के बीच बाएं हाथ के स्पिनर के एक स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा हैं और गंभीर ने कहा कि भारत को श्रीलंका में अगस्त में होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए स्पिन गेंदबाजी के कई विकल्प तैयार करने होंगे। उन्होंने कहा, मानव और हर्ष कुछ हद तक एक जैसे खिलाड़ी हैं, लेकिन उनके गेंद फेंकने के तरीके में कुछ अंतर भी हैं। इस मैच से हमें अपना चौथा स्पिनर तैयार करने में मदद मिलेगी क्योंकि हम श्रीलंका में चार स्पिनर लेकर जाएंगे। न्यूजीलैंड का दौरा करने पर हमें अलग तरह से तैयारी करनी होगी। हमारा मानना है कि हमें टेस्ट मैचों के लिए बेहतर तैयारी करने की जरूरत है। ऋषभ पंत को टेस्ट टीम की उपकप्तानी से हटाया गया था। इस पर अब गंभीर ने भी अपनी राय रखी है। गंभीर ने कहा कि पंत को उनका समर्थन प्राप्त है, लेकिन उन्हें खेल की स्थिति को बेहतर ढंग से समझने की जरूरत है। गंभीर ने कहा, हम ऋषभ पंत की खेल की शैली में बदलाव नहीं चाहते, लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खिलाड़ियों के लिए मैच की परिस्थितियों का सम्मान करना जरूरी होता है।

एमपीसी के फैसले बाद घरेलू बाजार में गिरावट

नई दिल्ली,एजेंसी। एमपीसी के फैसले के बाद शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। 11रू20 बजे तक 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 9.52 अंक गिरकर 74,350.49 अंक पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी 17.15 अंक गिरकर 23,399.40 अंक पर आ गया। आरबीआई ने ब्याज दरों को 5.25: पर तटस्थ रखने का फैसला किया है। सुबह 09:32 बजे के आंकड़ों के अनुसार, बीएसई सेंसेक्स 197.90 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की मजबूत छलांग के साथ 74,557.91 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी पीछे नहीं है और यह 51.41 अंक या 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,467.95 के महत्वपूर्ण स्तर को पार कर गया है। शुरुआती कारोबार में बाजार को ऊपर खींचने में कुछ प्रमुख लार्ज–कैप शेयरों का बड़ा योगदान रहा है। आईटी और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के शेयरों में निवेशकों की भारी दिलचस्पी देखी गई। विशेष रूप से दिग्गज आईटी कंपनी इन्फोसिस और अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में 2–2 प्रतिशत की शानदार तेजी दर्ज की गई है, जिसने सूचकांकों को मजबूत समर्थन दिया है। बाजार विश्लेषकों का अनुमान है कि भारतीय शेयर बाजार निकट भविष्य में एक सीमित दायरे में ही कारोबार करेगा।

यूएस के अरबों डश्वलर के स्टार्टअप्स में भारतीयों का दबदबा

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका में अरबों डॉलर मूल्य वाली स्टार्टअप कंपनियों (यूनिकॉर्न) के संस्थापकों में भारतीय मूल के उद्यमी सबसे बड़ी प्रवासी समूह के रूप में उभरे हैं। यह जानकारी नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी की एक नई रिपोर्ट में सामने आई है। अमेरिका स्थित गैर–लाभकारी संगठन NFAP ने पाया कि अमेरिका की 96 यूनिकॉर्न कंपनियों की स्थापना या सह–स्थापना भारतीय मूल के उद्यमियों ने की है। इनमें एआई कंपनी पर्प्लेक्सिटी एआई भी शामिल है, जिसके सह–संस्थापक अरविंद श्रीनिवास हैं। 20 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ यह कंपनी सूची में 12वें स्थान पर है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी यूनिकॉर्न कंपनियों के प्रवासी संस्थापकों के मूल देशों की सूची में भारत 96 कंपनियों के साथ शीर्ष पर है। इसके बाद इस्राइल (60), यूनाइटेड किंगडम (47), चीन (41), कनाडा (30), रूस (23), फ्रांस (21), जर्मनी (18), यूक्रेन (16), ऑस्ट्रेलिया (14), पाकिस्तान (10) और रोमानिया (10) का स्थान है। स्टुअर्ट एंडरसन द्वारा लिखित NFAP की रिपोर्ट अप्रवासी और अमेरिकी अरबों डॉलर की कंपनियां में कहा गया है कि अमेरिका की 775 निजी यूनिकॉर्न कंपनियों में से 455 यानी 59 प्रतिशत कंपनियों की स्थापना या सह–स्थापना प्रवासियों ने की है। रिसर्च में पाया गया कि प्रवासी संस्थापकों वाली अमेरिकी अरब डॉलर मूल्य की निजी स्टार्टअप कंपनियों ने औसतन 833 नौकरियां प्रति कंपनी सृजित की हैं।

सीनियर खिलाड़ियों से की थी 2007 टी20 विश्वकप खेलने की अपील, सचिन–गांगुली का क्या था रुख?

नई दिल्ली,एजेंसी। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि 2007 में उन्होंने सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ जैसे सीनियर खिलाड़ियों से टी20 क्रिकेट खेलने की अपील की थी। ललित मोदी ने बताया कि किस तरह वह 2007 में भारत के इंग्लैंड दौरे के दौरान ड्रेसिंग रूम में भारतीय खिलाड़ियों के पास गए थे और उन्होंने इन खिलाड़ियों को पहले टी20 विश्व कप में खेलने के लिए मनाने की कोशिश की थी। भारत का इंग्लैंड दौरा 19 जुलाई से आठ सितंबर 2007 तक था जिसमें टीम को तीन टेस्ट और सात मैचों की वनडे सीरीज खेलनी थी। वहीं, पहले टी20 विश्व कप की शुरुआत 11 सितंबर 2007 में हुई थी। राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन टी20 विश्व कप के लिए महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में युवा टीम चुनी गई थी जिसमें कई सीनियर खिलाड़ी शामिल नहीं थे। 2007 टी20 विश्व कप टीम में वीरेंद्र सहवाग, युवराज सिंह, गौतम गंभीर, दिनेश कार्तिक, आरपी सिंह और इरफान पठान जैसे खिलाड़ी शामिल थे। न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में ललित मोदी ने खुलासा करते हुए बताया कि उन्होंने 2007 में इंग्लैंड दौरे के दौरान भारतीय खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क किया और उन्हें पहले आईसीसी टी20 विश्व कप में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि कई खिलाड़ी नए प्रारूप में खेलने के लिए अनिच्छुक थे, इसे बेवकूफी भरा खेल बताते हुए उन्होंने लंबे दौरे के बाद थकान और अपने परिवार के साथ समय बिताने की इच्छा का हवाला दिया था। आईपीएल के संस्थापक ने उस रवैये की तुलना वर्तमान समय से करते हुए कहा कि टी20 क्रिकेट का महत्व इतना बढ़ गया है कि अब अगर कोई

खिलाड़ी विश्व कप से बाहर रहने का विकल्प चुनता है तो प्रशंसकों, खिलाड़ियों और प्रशासकों की ओर से व्यापक आलोचना होगी। ललित मोदी ने कहा, 2007 में जब भारत इंग्लैंड दौरे पर था, तब मैं ड्रेसिंग रूम में हर खिलाड़ी के पास गया। मैंने उनसे कहा कि प्लीज, मैं आपसे विनती करता हूं कि टी20 खेलें। इन खिलाड़ियों ने कहा कि ललित, क्या आप मजाक कर रहे हैं? यह कैसा बेवकूफी भरा खेल है? हम इसमें नहीं खेलना चाहते। ड्रेसिंग रूम में हर किसी ने मुझसे यही कहा कि अरे, हमारा दौरा लंबा रहा है। हम अपने परिवारों के साथ रहना चाहते हैं। अब आज के समय में क्या जनता, खिलाड़ी और प्रशासक किसी खिलाड़ी के विश्व कप न खेलने को स्वीकार करेंगे? हंगामा मच जाएगा। ललित मोदी ने आगे कहा कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2007 के टी20 विश्व कप में अपनी पूरी टीम नहीं भेजी, बल्कि एमएस ध ोनी की अगुआई वाली एक युवा और अपेक्षाकृत अनुभवहीन टीम को मौका दिया। कई स्थापित सितारों की अनुपस्थिति पर उन्होंने कहा कि प्रशंसकों, खिलाड़ियों और प्रशासकों द्वारा विश्व कप टूर्नामेंटों को दिए जाने वाले महत्व को देखते हुए मौजूदा समय में ऐसा निर्णय अकल्पनीय होगा। ललित ने कहा कि भारत में टी20 क्रिकेट को शुरुआत में पर्याप्त समर्थन नहीं मिला, सीमित दर्शक संख्या के कारण यह प्रसारकों और विज्ञापनदाताओं के लिए आकर्षक नहीं था। ललित मोदी ने कहा, भारत में टी20 क्रिकेट पर किसी को भरोसा नहीं था। अगर दर्शक नहीं होंगे तो विज्ञापन से कमाई नहीं होगी। विज्ञापन से कमाई नहीं होगी तो सब्सक्रिप्शन भी नहीं मिलेगा। अगर कोई देख रहा होगा तो पैसा आएगा। अगर कोई नहीं देख रहा होगा तो पैसा नहीं आएगा। आज के समय में जो भी चीज दर्शकों को आकर्षित करती है, उसे विज्ञापनदाताओं से पैसा मिलता है। पूर्व क्रिकेट प्रशासक ने यह भी दावा किया कि दक्षिण अफ्रीका में आयोजित पहले टी20 विश्व कप को शुरुआत में दर्शकों की संख्या के मामले में काफी संघर्ष करना पड़ा, लेकिन युवराज सिंह के एक ओवर में लगाए गए छह छक्कों ने टूर्नामेंट को व्यापक रूप से चर्चा में ला दिया। उन्होंने कहा कि इस घटना ने दर्शकों की रुचि और रेटिंग में उल्लेखनीय वृद्धि की। ललित मोदी ने आगे कहा कि उन्होंने ऐसे शानदार प्रदर्शनों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया और टी20 क्रिकेट के लिए वैश्विक समर्थन जुटाने के लिए काम किया, जब इसकी सफलता की संभावना पर बहुत कम लोगों को विश्वास था।

श्रेयस का टी20 कप्तान बनना लगभग तय, कौन होगा उपकप्तान ? वैभव को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टी20 टीम में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है और अब ये लगभग तय है कि सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर टी20 टीम के कप्तान होंगे। आगामी आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे तथा जापान में होने वाले एशिया खेलों की टीम के चयन के लिए शनिवार को अजीत अगरकर की अगुआई वाली राष्ट्रीय चयन समिति की बैठक होगी। भारत को 26 और 28 जून को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 खेलने हैं, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ एक जुलाई से होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज में पांच टी20 और तीन वनडे मैच खेले जाने हैं। एशियाई खेलों का आयोजन इस साल सितंबर–अक्तूबर में जापान में होना है। इसके लिए टीम की घोषणा इसलिए जल्दी हो रही है क्योंकि आयोजकों ने डेडलाइन पहले की रखी है। यह माना जा रहा है कि मुंबई इंडियंस के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा टी20 टीम के नए उपकप्तान होंगे, जबकि 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को भी सीनियर टीम में पहली बार जगह मिल सकती है। सूर्यकुमार यादव से सिर्फ कप्तानी ही नहीं छिनेगी, बल्कि वह टीम से बाहर किए जा सकते हैं। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत ने इस साल टी20 विश्व कप के खिताब का बचाव किया था, लेकिन पिछले कई महीनों से वह फॉर्म में नहीं हैं। दूसरी तरफ, 31 साल के श्रेयस टी20 विश्व कप का हिस्सा नहीं थे, लेकिन अब माना जा रहा है कि वह नंबर चार स्थान पर जगह लेंगे। आईपीएल में कप्तान के तौर पर श्रेयस का प्रदर्शन शानदार रहा है।

उन्होंने अपनी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाया है। तीन अलग–अलग टीमों को आईपीएल फाइनल तक पहुंचाने वाले श्रेयस एकमात्र कप्तान हैं जिससे उनकी लीडरशीप को लेकर भरोसा बढ़ा है। ? इतना नहीं, कप्तान की जिम्मेदारी के बावजूद श्रेयस की बल्लेबाजी पर कोई असर नहीं पड़ा और इस साल आईपीएल में उन्होंने दमदार बल्लेबाजी की। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ब्रिटेन दौर और एशियाई खेलों के लिए दो अलग–अलग टीम का एलान करेंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीमित ओवरों की सीरीज होने के बावजूद एशियाई खेलों के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम चुनेगा। एशियाई खेलों में तिलक वर्मा टीम के कप्तान हो सकते हैं और वैभव सूर्यवंशी भी इस टी20 टीम का हिस्सा हो सकते हैं।

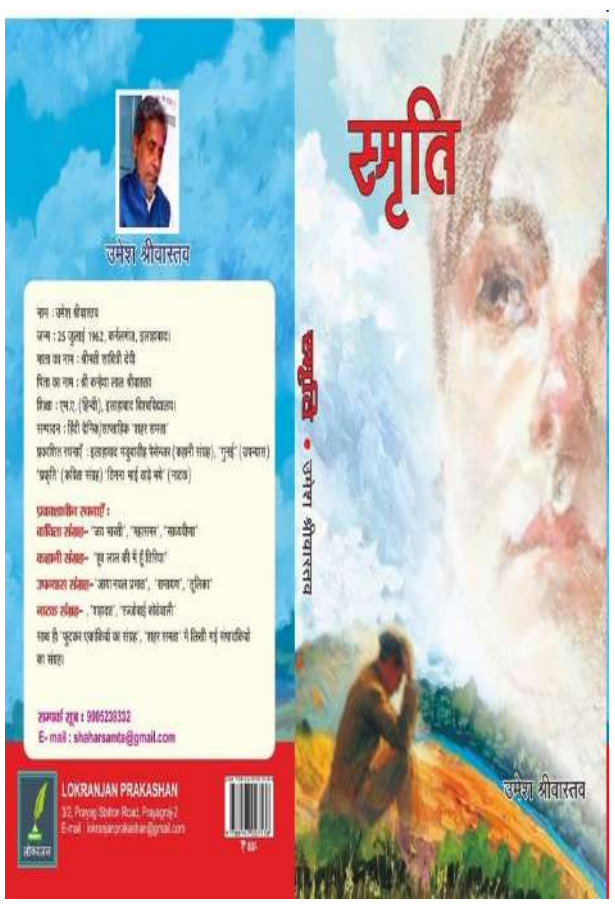

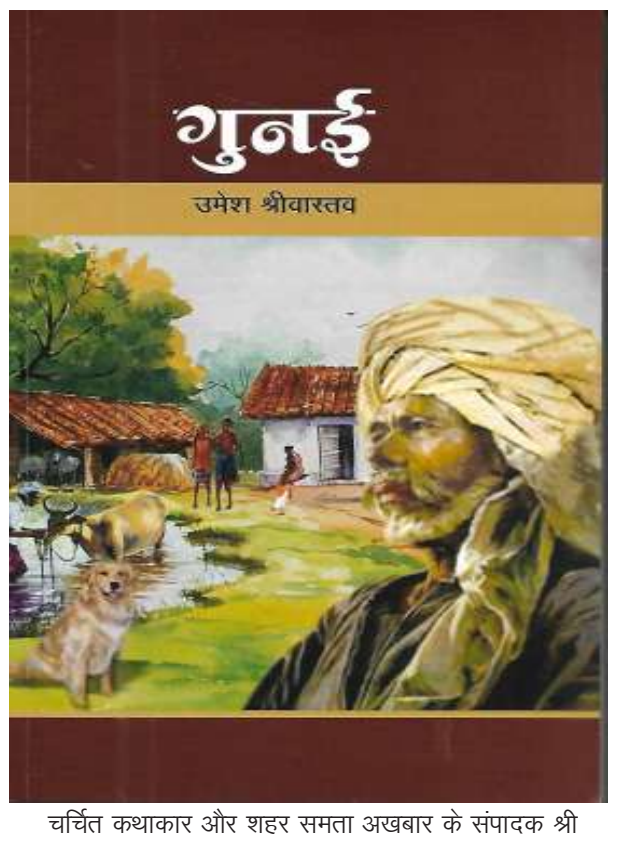

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

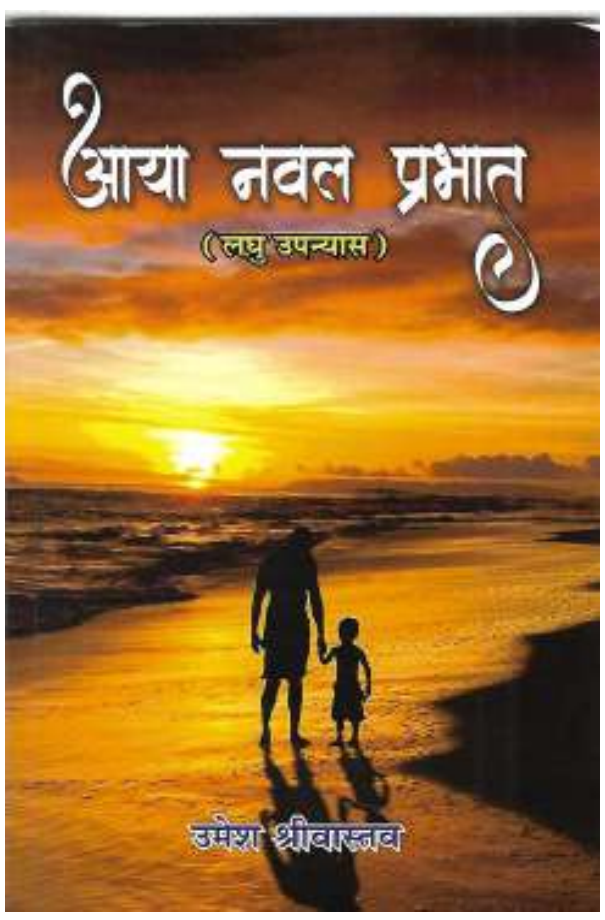

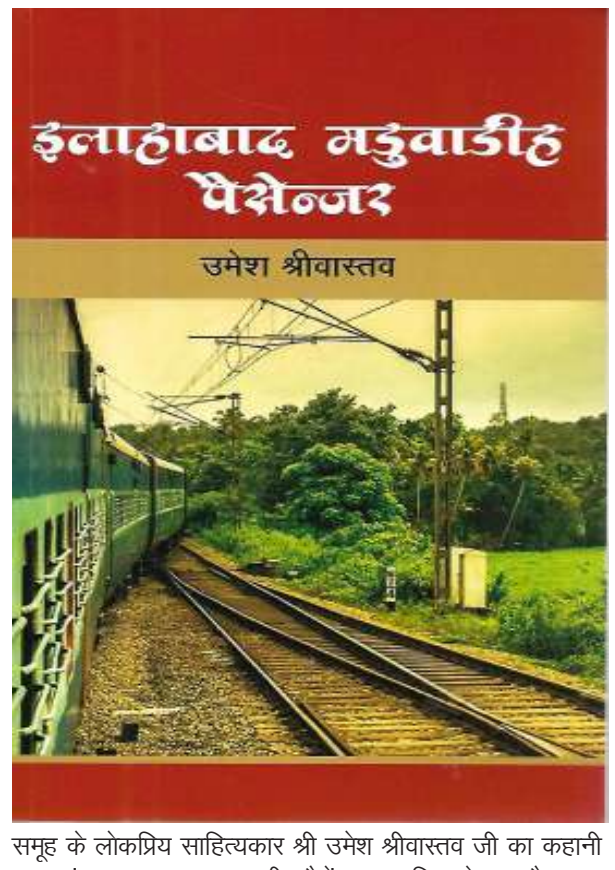

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

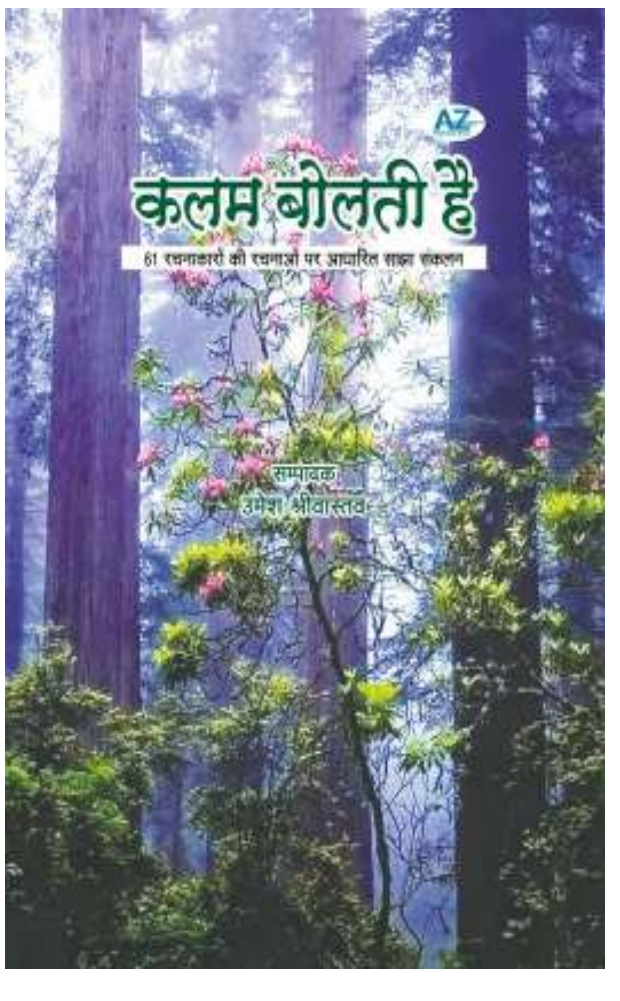

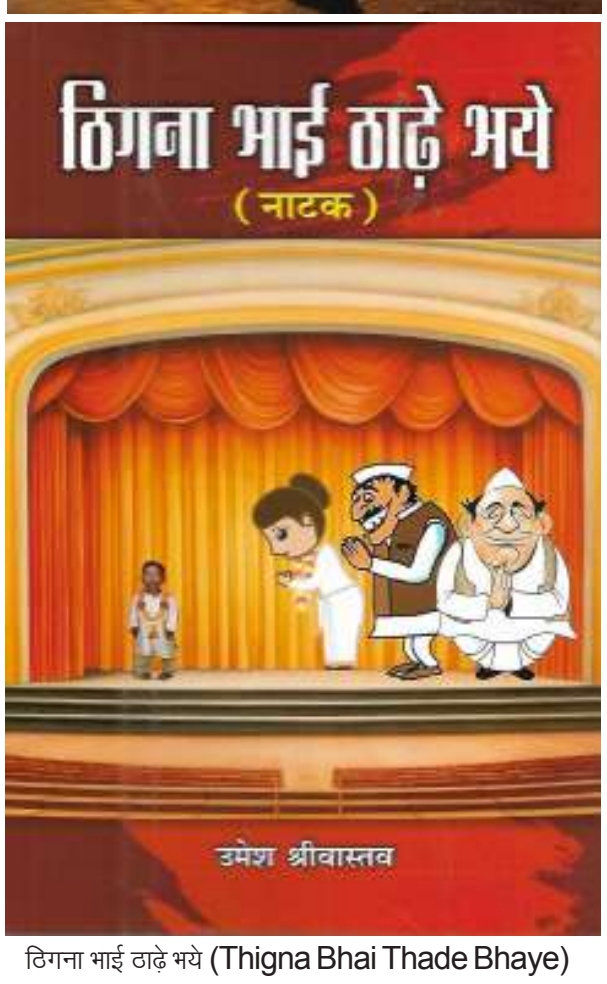

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

US: NBA फाइनल में पहुंचेगा ट्रंप का काफिला, न्यूयॉर्क निक्स को सपोर्ट करने स्टेडियम जाएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप अगले सप्ताह न्यूयॉर्क में होने वाले एनबीए फाइनल मुकाबले में शामिल हो सकते हैं। ट्रंप ने खुद कहा है कि वह अपनी पसंदीदा टीम

न्यूयॉर्क निक्स को समर्थन देने के लिए मैडिसन स्क्वायर गार्डन पहुंचेंगे। टीम के मालिक जेम्स डोलन के निमंत्रण के बाद ट्रंप ने यह फैसला लिया है। माना जा रहा है कि वह मौजूदा राष्ट्रपति रहते हुए एनबीए फाइनल देखने पहुंचने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बन सकते हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि वह न्यूयॉर्क निक्स के बड़े प्रशंसक हैं। उन्होंने बताया कि वह सोमवार को होने वाले गेम–3 में शामिल होने की योजना बना रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वह बुधवार को होने वाले गेम–4 में भी जा सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने फाइनल का पहला मुकाबला भी देखा, जिसमें निक्स ने सैन एंटोनियो स्पर्स को हराकर सीरीज में 1–0 की बढ़त बना ली। ट्रंप ने कहा कि शुरुआत में मुकाबला मुश्किल लग रहा था, लेकिन न्यूयॉर्क निक्स ने शानदार वापसी की। उन्होंने खास तौर पर सैन एंटोनियो स्पर्स के स्टार खिलाड़ी विक्टर वेम्बन्यामा की चर्चा की। ट्रंप ने कहा कि 7 फुट 5 इंच लंबे खिलाड़ी को रोकना आसान नहीं होता, लेकिन निक्स ने बेहतरीन रणनीति अपनाई। उन्होंने टीम की तारीफ करते हुए कहा कि निक्स ने दमदार खेल दिखाया और अंत में पूरी तरह हावी रही। क्या सुरक्षा व्यवस्था बड़ी चुनौती बनेगी? एनबीए कमिश्नर एडम सिल्वर ने कहा कि अगर ट्रंप मैच देखने आते हैं तो मैडिसन स्क्वायर गार्डन में सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी करनी पड़ेगी। इससे दर्शकों को अतिरिक्त जांच और लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। हालांकि सिल्वर ने कहा कि फैंस इस स्थिति को समझेंगे क्योंकि यह एनबीए फाइनल के महत्व को और बड़ा बनाता है। उन्होंने कहा कि खेल लोगों को जोड़ने का काम करता है और यह माहौल पूरे न्यूयॉर्क में देखा जा रहा है। ट्रंप और एनबीए का पुराना रिश्ता क्या है? एनबीए कमिश्नर एडम सिल्वर ने बताया कि ट्रंप राजनीति में आने से पहले भी न्यूयॉर्क निक्स के बड़े समर्थक रहे हैं। सिल्वर ने कहा कि उन्होंने कई पुराने मैचों और एनबीए ड्राफ्ट कार्यक्रमों में ट्रंप को देखा है। ट्रंप अक्सर मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले बड़े मुकाबलों में पहुंचते रहे हैं। सिल्वर ने कहा कि ट्रंप एक असली न्यूयॉर्कर हैं और उनका फाइनल देखने आना इस आयोजन को और खास बना देगा।

जेलेंस्की ने पुतिन को लिखा खुला पत्र, तटस्थ देश में आमने–सामने बातचीत का दिया प्रस्ताव

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को एक सार्वजनिक पत्र

लिखकर सीधे आमने–सामने बातचीत का प्रस्ताव दिया है। वर्ष 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू किए जाने के बाद यह पहला मौका है जब जेलेंस्की ने पुतिन को सार्वजनिक रूप से संबोधित करते हुए पत्र लिखा है। अपने पत्र में जेलेंस्की ने कहा कि युद्ध समाप्त करने के लिए दोनों नेताओं के बीच सीधी बातचीत जरूरी है। उन्होंने सुझाव दिया कि यह बैठक किसी तटस्थ देश में आयोजित की जा सकती है। इसके लिए उन्होंने स्विट्जरलैंड, तुर्किये या किसी अरब देश का नाम संभावित मेजबान के रूप में लिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बातचीत न तो मॉस्को में होनी चाहिए और न ही कीव में। जेलेंस्की ने लिखा कि बड़े और महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान हमेशा देशों के नेता ही करते हैं। उन्होंने पुतिन से ऐसी बैठक के लिए एक निश्चित तारीख तय करने की अपील भी की। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि केवल अमेरिका पर निर्भर रहकर युद्ध समाप्त होने का इंतजार करना सही नहीं होगा। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिकी प्रशासन का ध्यान फिलहाल अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्दों, विशेष रूप से ईरान से जुड़े घटनाक्रमों पर भी केंद्रित है। अपने पत्र में जेलेंस्की ने दावा किया कि यूक्रेन की खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली है कि रूस युद्ध को 2027 और 2028 तक लंबा खींचने की योजना पर विचार कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अपने जमीनी अभियान में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के कारण बैलिस्टिक मिसाइल हमलों का अधिक इस्तेमाल कर रहा है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने यह भी आरोप लगाया कि रूस बेलारूस को इस संघर्ष में और गहराई से शामिल करने की कोशिश कर रहा है। साथ ही उसने मोल्दोवा के रूस समर्थित अलगाववादी क्षेत्र ट्रांसनिस्ट्रिया के आसपास भी अस्थिरता बढ़ाने का प्रयास किया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

रूस–अमेरिका फिर आमने–सामने: ट्रंप बोले– भारत ने वर्षों तक हमारा फायदा उठाया, पुतिन ने बताया भरोसेमंद साझेदार

वॉशिंगटन/मॉस्का, एजेंसी। भारत को लेकर रूस और अमेरिका के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। एक तरफ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की खुलकर तारीफ की है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर ज्यादा टैरिफ लगाने और अमेरिका का फायदा उठाने का आरोप लगाया है। दोनों महाशक्तियों के बयानों ने साफ कर दिया है कि दुनिया की बड़ी ताकतें भारत को अपने–अपने नजरिए से देख रही हैं। भारत–रूस रिश्तों पर पुतिन ने क्या कहा? रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग में अंतरराष्ट्रीय मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि रूस भारत के साथ अपने पुराने और भरोसेमंद रिश्तों को और मजबूत करना चाहता है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और तेजी से विकास कर रहा है। पुतिन ने दावा किया कि पश्चिमी देशों और अमेरिका की ओर से भारत पर रूस से दूरी बनाने के लिए डाला गया दबाव बेअसर साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत पर दबाव डालना अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए नुकसानदायक है। पुतिन ने यह भी कहा कि रूस और भारत के बीच व्यापार आने वाले वर्षों में 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। मोदी सरकार की तारीफ कर पुतिन ने क्या संदेश दिया? पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत की तेज आर्थिक वृद्धि किसी संयोग का नतीजा नहीं है, बल्कि यह मोदी सरकार की मेहनत का परिणाम है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देता है और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने यह भी साफ किया कि भारत के अमेरिका के साथ अच्छे संबंध होने से रूस को कोई परेशानी नहीं है। पुतिन ने भारत को विश्वसनीय साझेदार बताते हुए कहा कि रूस भारत के साथ हर क्षेत्र में संबंध बढ़ाता रहेगा। पुतिन के बयान को ऐसे समय में अहम माना जा रहा है जब पश्चिमी देश लगातार भारत से रूसी तेल खरीद कम करने की अपील कर रहे हैं। भारत पर ट्रंप ने क्या आरोप लगाए? दूसरी ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापारिक रिश्तों को लेकर सख्त बयान दिया। ट्रंप ने कहा कि भारत ने वर्षों तक अमेरिका की नीतियों का फायदा उठाया और अमेरिकी सामान पर भारी टैरिफ लगाए। हालांकि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा दोस्त भी बताया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच जल्द व्यापार समझौता हो सकता है क्योंकि दोनों नेताओं के बीच अच्छे संबंध हैं। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि अब हालात बदल रहे हैं और अमेरिका भारत के साथ व्यापार में ज्यादा कमाई कर रहा है। टैरिफ और व्यापार समझौते पर क्यों बढ़ा तनाव?

अमेरिका ने हाल ही में भारत समेत 54 देशों पर अतिरिक्त 12.5 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। अमेरिका का आरोप है कि इन देशों से आने वाले कुछ सामान जबरन श्रम के जरिए तैयार किए जाते हैं। ट्रंप ने हार्ले–डेविडसन मोटरसाइकिल का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत में पहले अमेरिकी बाइक कंपनियों पर 200 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया जाता था। उन्होंने कहा कि इसी वजह से कंपनी को भारत में अपना प्लांट लगाना पड़ा। वहीं भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत जारी है। दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने और टैरिफ कम करने पर चर्चा कर रहे हैं। भारत की बढ़ती ताकत पर दुनिया की नजर क्यों? रूस और अमेरिका के ताजा बयानों से साफ है कि भारत अब वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में बेहद अहम भूमिका निभा रहा है। एक तरफ रूस भारत को भरोसेमंद साझेदार मान रहा है तो दूसरी तरफ अमेरिका भारत के साथ व्यापारिक रिश्तों को नए तरीके से देख रहा है।

'उनसे मिलकर सम्मानित महसूस करूंगा': मोजतबा खामेनेई के साथ मुलाकात के लिए ट्रंप तैयार, होर्मुज पर कही यह बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्धविराम के बीच ईरान के सुप्रीम नेता मोजतबा खामेनेई के साथ मुलाकात की बात कही है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान के साथ जारी कूटनीतिक प्रयास किसी समझौते तक पहुँचते हैं, तो उन्हें ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई से मिलने में सम्मान महसूस होगा। मोजतबा खामेनेई की ट्रंप ने तारीफ की

ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, ऐसी किसी भी मुलाकात का आयोजन अत्यंत सम्मानजनक तरीके से किया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं मिलना नहीं चाहता, लेकिन अगर मुझे मिलना पड़ा, तो मुझे उनका सम्मान होगा। लेकिन अगर हम कोई समझौता करते हैं, तो यह संभव है कि मैं उनसे मिलूं। मुझे इसमें कोई आपत्ति नहीं होगी। ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि वह किसी भी मुलाकात में सम्मान के साथ पेश आएंगे और खामेनेई को शायद एक पेशेवर बताया, जिनकी कुछ हलकों में बहुत अच्छी प्रतिष्ठा है। ईरानी नेता के संबंध में अपनी टिप्पणी को स्पष्ट करते हुए ट्रंप ने कहा, कुछ लोग बुरा कहते हैं, लेकिन बहुत से लोग मेरे बारे में बुरा कहते हैं। निश्चित रूप से यह पूरी तरह से गलत है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका–ईरान समझौते का मुख्य हिस्सा यह होगा कि ईरान कोई परमाणु हथियार नहीं रख सकेगा। ट्रंप ने इस बात को दोहराया कि संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार पर नियंत्रण कर सकता है, यदि वह ऐसा करना चाहे। हालांकि, उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने आगे दावा किया कि ईरान ने यूरेनियम का संवर्धन बंद कर दिया है और अमेरिकी अधिकारी इस सामग्री की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। ट्रंप ने फिर कहा कि होर्मुज को जल्द दुनिया के लिए खोल दिया जाएगा। क्यूबा पर लगाए नए प्रतिबंध

ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज–कैनेल, उनकी पत्नी और कई बड़े अधिकारियों पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिका ने यह कदम क्यूबा की सरकार पर दबाव बढ़ाने के लिए उठाया है। इन प्रतिबंधों के बाद दोनों देशों के रिश्तों में और तल्खी आ गई है। क्यूबा ने अमेरिका के इस फैसले को अपनी संप्रभुता पर हमला और खुली दखलअंदाजी बताया है। अमेरिका–भारत व्यापार समझौते पर बातचीत जारी

इस बीच, दोनों देशों के बीच अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत जारी है। इसी सिलसिले में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह भारत दौरे पर आया था। चार दिनों तक चली वार्ता गुरुवार को समाप्त हुई। भारत के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत सहयोग और व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ हुई। भारत और अमेरिका ने एक ऐसे समझौते पर सहमति बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई है, जिससे दोनों देशों के व्यापार और आर्थिक संबंधों को और मजबूती मिले तथा दोनों को समान लाभ प्राप्त हो।

चीन के लिए करता था जासूसी: अमेरिकी पत्रकार ने कोर्ट में कबूला गुनाह, शी जिनपिंग तक पहुंचती थी रिपोर्ट

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका में एक चौंकाने वाले मामला सामने आया है। चीन में लंबे समय से रह रहे अमेरिकी पत्रकार थॉमस पाउकेन द्वितीय ने अदालत में स्वीकार किया है कि वह बिना कानूनी अनुमति के चीनी सरकार के एजेंट के रूप में काम कर रहे थे। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, पाउकेन ने चीन के लिए जानकारी जुटाने और प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करने का काम किया। दोषी करार दिए जाने के बाद उन्हें 1 सितंबर को सजा सुनाई जाएगी और उसे अधिकतम 10 साल की जेल हो सकती है। पाउकेन चीन की कई सरकारी मीडिया के साथ काम कर चुके थे पाउकेन 2010 से चीन में रह रहे थे और वहां कई सरकारी मीडिया संस्थानों के साथ काम कर चुके हैं। वह अपने पिता से अलग पहचान बनाने के लिए टॉम मैकग्रेगर नाम से लेख लिखते थे। उनके पिता टेक्सास रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। जांच एजेंसियों ने क्या–क्या खुलासे किए?

जांच एजेंसियों के मुताबिक, पाउकेन कम से कम 2019 से चीनी एजेंटों के संपर्क में था। वह कैथी नाम की एक महिला के लिए रिपोर्ट तैयार करते थे, जिसे वह चीन की सुरक्षा एजेंसियों से जुड़ा मानते थे। आरोप है कि 2019 से 2025 के बीच उसे इन रिपोर्टों के बदले करीब एक लाख डॉलर और अमेरिका की कई प्रायोजित यात्राएं मिलीं। पाउकेन का दावा था कि उनकी रिपोर्टें सीधे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग तक पहुंचती थीं। एफबीआई के अनुसार, पाउकेन ने ऐसे लोगों की तलाश की जो अमेरिकी प्रशासन में नौकरी हासिल कर सकते थे और बाद में संवेदनशील या गोपनीय जानकारी चीन तक पहुंचा सकें। फरवरी 2025 में वाशिंगटन में हुई एक बैठक के दौरान उन्होंने एक व्यक्ति को सिम कार्ड दिया और उसे हर सप्ताह रिपोर्ट तैयार करने के बदले 10,000 डॉलर देने का प्रस्ताव रखा। जांचकर्ताओं का कहना है कि इन रिपोर्टों का उद्देश्य अमेरिकी नीतियों को प्रभावित करना था। अदालती दस्तावेजों में यह भी दावा किया गया है कि जनवरी 2025 में अमेरिका लौटने पर पाउकेन ने अधिकारियों को बताया था कि वह एक ऐसे व्यक्ति से मिलने जा रहा है जो ट्रंप प्रशासन में नौकरी पाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने माना था कि उन्हें 80 प्रतिशत यकीन है कि वह व्यक्ति नौकरी मिलने के बाद चीन को गोपनीय जानकारी दे सकते हैं। पाउकेन किन्हें अपनी रिपोर्टें बेचीं? न्याय विभाग के अनुसार, पाउकेन ने चीन के वुहान शहर से जुड़े कुछ लोगों को भी रिपोर्टें बेचीं। ये लोग अमेरिकी तकनीक और न्याय विभाग से जुड़ी जानकारियां चाहते थे व साइबर जासूसी में मदद करने वाले विशेषज्ञों की तलाश कर रहे थे।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

भारत को मिला रूस से बड़ा ऑफर, पुतिन बोले- Su-57 लड़ाकू विमान कार्यक्रम पर साथ काम करने को तैयार

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत को लेकर बड़ा रक्षा प्रस्ताव दिया है। सेंट पीटर्सबर्ग में वैश्विक समाचार एजेंसियों के प्रमुखों से बातचीत के दौरान पुतिन ने कहा कि रूस भारत के साथ सुखोई न–57 लड़ाकू विमान कार्यक्रम पर मिलकर काम करने को तैयार है। उन्होंने Su–57 को दुनिया का सबसे बेहतरीन लड़ाकू विमान बताया और कहा कि रूस को भारत के साथ तकनीक साझा करने में कोई दिक्कत या सीमा नहीं है। इस बयान को भारत–रूस रक्षा संबंधों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। क्या बोले पुतिन न–57 लड़ाकू विमान पर? पुतिन ने कहा कि रूस ने भारत को पांचवीं पीढ़ी की तकनीक पर साथ काम करने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा कि न–57 विमान संयुक्त परियोजना भी बन सकता था। हालांकि रूस ने इसे खुद विकसित किया, लेकिन अब भी भारत के साथ इस कार्यक्रम में सहयोग करने के लिए तैयार है। पुतिन ने कहा कि रूस भारत के साथ एयर डिफेंस सिस्टम पर भी काम करना चाहता है। उनके बयान से साफ संकेत मिला कि मॉस्को भारत को रक्षा क्षेत्र में बड़ा साझेदार मानता है। भारत ने पहले क्यों बनाई थी दूरी? भारत की पुरानी स्थिति का भी जिक्र सामने आया। भारत ने साल 2018 में Su–57 परियोजना से दूरी बना ली थी। भारतीय वायुसेना का मानना था कि यह विमान उसकी जरूरतों के मुताबिक पूरी तरह फिट नहीं बैठता। हालांकि अब फिर से इस विमान को लेकर चर्चा तेज हो गई है। कई रिपोर्टों में दावा किया गया है कि भारत 40 से 50 Su–57 लड़ाकू विमान खरीदने पर विचार कर रहा है। हालांकि इस पर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। क्या रूस तकनीक साझा करने को भी तैयार है? रूस की ओर से तकनीकी सहयोग की बात सामने आई। रूसी अधिकारियों ने कहा कि भारत की सभी मांगें स्वीकार करने योग्य हैं। रूस Su–57 का सोर्स कोड साझा करने और भारत में इसके निर्माण के लिए तकनीक हस्तांतरण को भी तैयार बताया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएएल को भारत में Su–57 निर्माण में शामिल किया जा सकता है। रूस इस परियोजना में निवेश की संभावनाओं का भी अध्ययन कर रहा है। रूस की सरकारी रक्षा कंपनी रोस्टेक के सीईओ सर्गेई चेमेजोव ने कहा कि भारत और रूस कई वर्षों से रणनीतिक साझेदार रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भारत पर प्रतिबंध लगे थे तब भी रूस ने उसकी सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए हथियारों की आपूर्ति जारी रखी थी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि रूस आगे भी भारत को उसकी जरूरत के अनुसार रक्षा उपकरण उपलब्ध कराता रहेगा। इस बयान को दोनों देशों के मजबूत रक्षा सहयोग का संकेत माना जा रहा है। पुतिन ने ओरेशनिक मिसाइल को लेकर भी बड़ा खुलासा किया। अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के प्रमुखों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि रूस ने अभी तक युद्ध के मैदान में ओरेशनिक मिसाइल का इस्तेमाल नहीं किया है। इस बयान के बाद दुनिया भर में रूस की सैन्य रणनीति और आधुनिक हथियारों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पुतिन के इस बयान को रूस की सैन्य शक्ति के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

किम जोंग ने दिखाई नई परमाणु फैक्टरी: हथियारों का जखीरा बढ़ाने का किया एलानय US-दक्षिण कोरिया की बढ़ी चिंता

सियोल, एजेंसी। परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ाने के लिए उत्तर कोरिया ने बृहस्पतिवार को इनका ईंधन बनाने वाले एक नए संयंत्र का खुलासा किया है। वहीं, तानाशाह किम जोंग उन ने देश की परमाणु ताकत तेजी से बढ़ाने की कई योजनाओं का भी एलान किया। इससे दक्षिण कोरिया, अमेरिका समेत कई प्रतिद्वंदी देशों की चिंता बढ़ गई है। उत्तर कोरियाई सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए के मुताबिक, यह संयंत्र पहले से अधिक उन्नत तकनीक का इस्तेमाल करता है लेकिन इसकी जगह और शुरू होने की तारीख नहीं बताई। हालांकि केसीएनए की जारी तस्वीरों में एक बड़े हॉल में हथियार–स्तर का यूरेनियम तैयार करने के लिए बड़ी संख्या में सेंट्रीफ्यूज मशीनें दिखाई दी हैं। किम ने बुधवार को संयंत्र के दौरे के दौरान कहा कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया जैसे सबसे आक्रामक दुश्मनों के साथ बढ़ते टकराव से देश की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को मात्रा और गुणवत्ता दोनों में मजबूती देना जरूरी हो गया है। उन्होंने अन्य वैश्विक संकटों और सुरक्षा चुनौतियों का भी हवाला दिया। उन्होंने दावा किया कि बीते पांच साल में देश की हथियार– स्तर परमाणु सामग्री उत्पादन क्षमता दोगुने से अधिक बढ़ चुकी है। लगातार बढ़ा रहा है परमाणु कार्यक्रम परमाणु गतिविधियों को तेज करने पर आईएईए का खुलासा उत्तर कोरिया के सितंबर 2024 में सामने आए एक अन्य गुप्त यूरेनियम संवर्धन संयंत्र के बाद सामने आया है।

ट्रंप की ईरान को खुली चेतावनी: 'अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई तो फिर भड़क सकती है जंग'

वॉशिंगटन , एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमताओं को गंभीर नुकसान पहुंचा है और यदि अमेरिकी सैनिकों पर हमला हुआ तो अमेरिका कड़ी प्रतिक्रिया देने से पीछे नहीं हटेगा।

ईरान की सैन्य ताकत पर ट्रंप का दावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की सैन्य स्थिति को लेकर कहा कि देश की नौसैनिक और वायु शक्ति को बड़ा नुकसान पहुंचा है।

उन्होंने दावा किया कि ईरान

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।